NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 269 लखनऊ, रविवार 24 मई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

ट्रेड एंड टैरिफ से ऊर्जा सुरक्षा तक...अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की पीएम मोदी से मुलाकात

एजेंसी।

दिल्ली। करीब 14 वर्षों बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री का कोलकाता दौरा हुआ। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शनिवार 23 मई 2026 को अपने चार दिवसीय भारत दौरे की शुरुआत करते हुए वाया कोलकाता दिल्ली पहुंचे। करीब 14 वर्षों बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री का कोलकाता दौरा हुआ। जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। दोनों नेताओं की यह बैठक दिल्ली स्थित सेवा तीर्थ में हुई। आपको बता दें कि करीब 14 वर्षों बाद किसी अमेरिकी विदेश मंत्री का कोलकाता दौरा हो रहा है। यह दौरा भारत–अमेरिका संबंधों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें व्यापार,

प्रौद्योगिकी, रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और क्वाड देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने वाली है। नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच गहराते सामरिक रिश्तों के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा कूटनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाने का काम करेगी। गौरतलब है कि मुख्य कार्यक्रमों से पहले रुबियो ने कोलकाता का रुख किया था, जो इस दौरे के व्यापक दायरे को दर्शाता है। यह यात्रा इसलिए भी खास है क्योंकि इस समय क्षेत्रीय सुरक्षा से लेकर वैश्विक भू–राजनीति के तमाम अहम मुद्दों पर भारत और अमेरिका की सोच और आपसी कदम पहले से कहीं ज्यादा एक सुर में नजर आ रहे हैं। अपने कोलकाता दौरे के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शमिशनरीज ऑफ चौरिटीश जाकर मदर टेरेसा को याद किया। इस अनुभव को उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसे अपने लिए गर्व की बात बताया। रुबियो ने एक्स पर लिखा मदर टेरेसा ने सेवा और करुणा की एक महान विरासत बनाई है। आज उनके इस काम को श्रद्धांजलि देने और कैथोलिक आस्था को जमीन पर काम करते देखने के लिए मिशनरीज ऑफ चौरिटी जाना मेरे लिए सम्मान की बात रही।

यूपी में योगी सरकार का बड़ा एक्शन, वक्फबोर्ड की 31,000 संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद्द

संवाददाता।

लखनऊ। भूमि और स्वामित्व संबंधी विवरणों में विसंगतियों के कारण कई दावों को भी खारिज कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, उम्मीद पोर्टल पर दर्ज 31,328 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अब तक रद्द किया जा चुका है। इनमें से 31,192 संपत्तियों से संबंधित वक्फ दावों को सत्यापन के बाद खारिज कर दिया गया। उत्तर प्रदेश में वक्फ के रूप में पंजीकृत 31,000 से अधिक संपत्तियों को केंद्र के उम्मीद पोर्टल से हटा दिया गया है। अधिकारियों ने व्यापक सत्यापन अभियान के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों में बड़ी विसंगतियां और तकनीकी खामियां पाईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच के बाद पंजीकरण रद्द कर दिए गए हैं। भूमि और स्वामित्व संबंधी विवरणों में विसंगतियों के कारण कई दावों को भी खारिज कर दिया गया

है। अधिकारियों के अनुसार, उम्मीद पोर्टल पर दर्ज 31,328 वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अब तक रद्द किया जा चुका है। इनमें से 31,192 संपत्तियों से संबंधित वक्फ दावों को सत्यापन के बाद खारिज कर दिया गया।यह कार्रवाई राज्य में चल रही वक्फ अभिलेखों की समीक्षा का हिस्सा है, जहां कुल 1,18,302 वक्फ संपत्तियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि भूमि और राजस्व अभिलेखों की जांच के दौरान व्यापक अनियमितताएं सामने आने के बाद ये रद्दियां की गईं। कई मामलों में प्रस्तुत दस्तावेजों में उल्लिखित खसरा या भूखंड संख्या वक्फ बोर्ड द्वारा रखे गए अभिलेखों में उपलब्ध विवरणों से मेल नहीं खाती थी। अधिकारियों को राजस्व दस्तावेजों में उल्लिखित भूमि क्षेत्र में भी विसंगतियां मिलीं, जिससे पोर्टल पर अपलोड किए गए पंजीकरणों की सटीकता पर सवाल उठते हैं। उम्मीद पोर्टल एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास को केंद्र सरकार द्वारा वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण और भौगोलिक पहचान के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत लॉन्च किया गया था। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की एक केंद्रीकृत डिजिटल सूची तैयार करना और उनके प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ाना है। नियमों के अनुसार, सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल के लॉन्च होने के छह महीने के भीतर अपलोड करना अनिवार्य है। यह घटनाक्रम संशोधित वक्फ कानून और अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर चल रही कानूनी और राजनीतिक बहस के बीच आया है। सुप्रीम कोर्ट ने पोर्टल पर संपत्ति के विवरण अपलोड करने की छह महीने की समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया, यह देखते हुए कि तकनीकी कठिनाइयों या दस्तावेजीकरण संबंधी समस्याओं के मामले में प्रभावित पक्ष वक्फ न्यायाधिकरणों के समक्ष मामले–दर–मामले राहत मांग सकते हैं।

राजनाथ सिंह का सिरडी से ऐलान कोई ताकत नहीं रोक सकती, भारत बनेगा टाप आर्म एक्सपोर्टर

एजेंसी।

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके तहत देश अगले 25–30 वर्षों में हथियारों का प्रमुख निर्यातक बनेगा। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसका लक्ष्य रक्षा उत्पादन में 50 प्रतिशत की भागीदारी हासिल करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को, जिसे कभी हथियारों का आयातक माना जाता था, अगले 25–30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। शिरडी में गोला–बारूद निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद, सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका को 50 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा कि निजी क्षेत्र रक्षा क्षेत्र में केवल पुर्जों का आपूर्तिकर्ता नहीं है,

बल्कि अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों को छूता है।सिंह ने कहा कि भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी ताकत इसे अगले 25–30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तो देश नई ऊंचाइयों को छूता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को गोला–बारूद और स्वचालन का केंद्र बनाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। सिंह ने बताया कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल में पोटेशियम नाइट्रेट का उपयोग बारूद बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता था, जिससे कंपनी ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्योग के मामले में भारत ने काफी प्रगति की है। सिंह ने कहा कि हालांकि आयुध कारखाने स्वतंत्रता से पहले से मौजूद थे और रक्षा उद्योग देश में गहराई से जुड़ा हुआ है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद देश की पुरानी क्षमताओं और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन नहीं बन पाया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका मुख्य कारण यह था कि निजी क्षेत्र को अवसर नहीं मिले और यह क्षेत्र रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों और आयुध कारखानों तक ही सीमित रह गया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सूची दी, जिसमें नीतिगत सुधार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का उदारीकरण शामिल है।उन्होंने कहा कि सरकार ने रणनीतिक साझेदारी मॉडल लागू किया है और 5,000 वस्तुओं की एक सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची तैयार की है, जिसके तहत सशस्त्र बलों के लिए इन वस्तुओं की खरीद भारत में ही अनिवार्य कर दी गई है। सिंह ने आगे कहा कि युवा नवप्रवर्तकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

साल्ट लेक स्टेडियम से हटाई गई ममता की डिजाइन की गई फुटबाल मूर्ति,

एजेंसी।

कलकता। शनिवार सुबह स्थानीय लोग यह देखकर हैरान रह गए कि साल्ट लेक स्टेडियम के वीवीआईपी गेट के पास स्थित वह मूर्ति हटा दी गई थी, जहां हाल ही में फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेस्सी ने मैच खेले थे। ममता बनर्जी की सोच मानी जाने वाली यह मूर्ति 2017 में फीफा अंडर–17 विश्व कप से पहले स्थापित की गई थी। इस पर शबिस्वा बांग्लाश का लोगो भी था – जो पिछली टीएमसी सरकार का प्रमुख प्रतीक था। कई वर्षों तक, धड़ से कटी हुई दो टांगों और उसके ऊपर एक फुटबॉल वाली एक विवादास्पद मूर्ति कोलकाता के प्रतिष्ठित सॉल्ट लेक स्टेडियम की पहचान बन गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा स्वयं डिजाइन की गई इस मूर्ति ने लोगों को दो भागों में बांट दिया था, कई लोगों ने इसे भद्दा और यहां तक घ्घकि विकृत भी बताया था। अंततः शनिवार को भाजपा सरकार ने मंत्री निशीथ प्रमाणिक द्वारा इसे हटाने का वादा करने के कुछ दिनों बाद ही इस मूर्ति को ध्वस्त कर दिया। शनिवार सुबह स्थानीय लोग यह देखकर हैरान रह गए कि साल्ट लेक स्टेडियम के वीवीआईपी गेट के पास स्थित वह मूर्ति हटा दी गई थी, जहां हाल ही में फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेस्सी ने मैच खेले थे। ममता बनर्जी की सोच मानी जाने वाली यह मूर्ति 2017 में फीफा अंडर–17 विश्व कप से पहले स्थापित की गई थी। इस पर शबिस्वा बांग्लाश का लोगो भी था – जो पिछली टीएमसी सरकार का प्रमुख प्रतीक था। हालांकि, इसके अनावरण के बाद से ही यह मूर्ति विवादों में घिरी रही है, और कई फुटबॉल समर्थकों ने इसके विचित्र डिजाइन पर सवाल उठाए हैं। फिर भी, यह उस स्टेडियम की पहचान बन गई थी, जहां ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के बीच कई यादगार डर्बी मैच और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलरों के मैच खेले गए हैं। भाजपा नेता क्वीया घोष ने एक्स पोस्ट में कहा कि क्या आपको साल्ट लेक स्टेडियम के सामने बनी यह घिनौनी चीज याद है? वादे के मुताबिक इसे हटा दिया गया है।

आप छोड़ बीजेपी में आए राघव चढ्ढा को मिला बड़ा पद, राज्यसभा याचिका समिति के बने चेयरमैन

एजेंसी।

दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को याचिका समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि वे अपने दल–बदल को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही आलोचना के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में मानहानि का मुकदमा भी लड़ रहे हैं। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, जो हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, को उच्च सदन की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। याचिका समिति के पुनर्गठन के बाद, राज्यसभा अध्यक्ष सी पी राधाकृष्णन ने समिति में सदन के 10 सदस्यों को मनोनीत किया। राज्यसभा की एक अधिसूचना में कहा गया है कि राघव चड्ढा को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि राज्यसभा अध्यक्ष द्वारा समिति का पुनर्गठन 20 मई से प्रभावी हो गया है।चड्ढा के अलावा समिति के सदस्य हैंरू हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्थान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रंगवरा नारजरी और संदोष कुमार पी। एक अन्य अधिसूचना में, राज्यसभा सचिवालय ने कहा कि राज्यसभा के अध्यक्ष ने 20 मई, 2026 को राज्यसभा सदस्य डॉ. मेनका गुरुस्वामी को कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर संयुक्त समिति का सदस्य नामित किया है।वहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजनीतिक आलोचना और मानहानि के बीच की रेखा बहुत महीन है। इसके साथ ही अदालत ने सांसद राघव चड्ढा से सवाल किया कि क्या वह सोशल मीडिया पर उनके राजनीतिक निर्णय की आलोचना करने वाली पोस्टों के प्रति 'संवेदनशील' हो सकते हैं। चड्ढा हाल ही में आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कथित दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत सोशल मीडिया पोस्टों के खिलाफ उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि ये पोस्ट उनकी प्रतिष्ठा और व्यक्तित्व अधिकारों के लिए गंभीर रूप से हानिकारक हैं। चड्ढा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने दलील दी कि कुछ पोस्टों में आपत्तिजनक सामग्री का इस्तेमाल किया गया है, जिनमें से एक में उन्हें पैसे के लिए खुद को बेच देने वाला दिखाया गया है। इस तरह की

कथित आपत्तिजनक सामग्री को हटाने के लिए अंतरिम राहत के अनुरोध पर फैसला सुरक्षित रखते हुए न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद ने स्वीकार किया कि एक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार है, वहीं संविधान के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भी छीना नहीं जा सकता।

पीएम मोदी पर विवादित बयान, कांग्रेस के अजय राय के खिलाफ महोबा में केस दर्ज

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी पर विवादास्पद टिप्पणी करने और महोबा में सड़क जाम करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई एक वायरल वीडियो के आधार पर की गई है, जिसमें राय अपने समर्थकों के साथ सरकारी काम में बाधा डालते दिख रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा डालने के आरोपों के बाद महोबा जिले में उत्तर प्रदेश राज्य कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की, जिसमें राय के नेतृत्व में एक सभा दिखाई दे रही थी और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे

को अवरुद्ध किया जा रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना गैरकानूनी सभा और सार्वजनिक सड़क अवरोध से संबंधित थी।सहायक पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि 22 मई 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से हमें एक वीडियो मिला, जिसमें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने समर्थकों के साथ गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होकर सरकारी कामकाज में बाधा डाल रहे थे और उन्होंने एक सार्वजनिक सड़क को भी अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। महोबा स्थित कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत प्राप्त हुई और कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। कार्रवाई की जा रही है।कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपनाई गई राजनीतिक भाषा की आलोचना करते हुए अधिवक्ता नीरज रावत की औपचारिक शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी की संस्कृति को दर्शाता है। शायद कांग्रेस पार्टी में इसी तरह प्रशिक्षण दिया जाता है। मैंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एफआईआर में कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान सचिव बृजराज अहिरवार समेत 25 से 30 समर्थकों के नाम हैं। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने इन टिप्पणियों को अक्षम्य और माफी के लायक नहीं बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की और उन पर पार्टी सदस्यों के बीच इस तरह के व्यवहार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। केशवन ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का पतन हो गया है और वह अजय राय जैसे भ्रष्ट तत्वों का अड्डा बन गई है...

ट्विशा शर्मा केस में पति समर्थ सिंह गिरफ्तार, पुलिस ने मांगी 7 दिन की रिमांड, खुलेंगे कई राज?

एजेंसी।

भोपाल पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि समर्थ सिंह को अदालत में पेश करने से पहले उनका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस ट्विशा की मौत से संबंधित परिस्थितियों के बारे में उनसे विस्तार से पूछताछ करने के लिए सात दिन की हिरासत मांगेगी।ट्विशा शर्मा की मौत की चल रही जांच के सिलसिले में भोपाल पुलिस ने एक विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर मामले की अगली कार्यवाही की रूपरेखा प्रस्तुत की। भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने पुष्टि की कि ट्विशा के पति समर्थ सिंह को हिरासत में ले लिया गया है और पुलिस आगे की पूछताछ के लिए सात दिन की रिमांड मांगेगी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि समर्थ सिंह को अदालत में पेश करने से पहले उनका मेडिकल परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस ट्विशा की मौत से संबंधित परिस्थितियों के बारे में उनसे विस्तार से पूछताछ करने के लिए सात दिन की हिरासत मांगेगी। पुलिस के अनुसार, समर्थ सिंह जबलपुर की एक अदालत में आत्मसमर्पण करने पहुंचे थे, लेकिन प्रक्रिया आगे बढ़ने से पहले ही भोपाल पुलिस की टीम ने जबलपुर पुलिस की मदद से उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि घटना के बाद कई दिनों तक कथित तौर पर लापता रहने के दौरान उनकी मदद करने या उन्हें शरण देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। एम्स भोपाल में दूसरा पोस्टमार्टम किया जाएगापुलिस आयुक्त संजय कुमार ने बताया कि एम्स दिल्ली से आ रही एक मेडिकल टीम एम्स भोपाल में दूसरा पोस्टमार्टम करेगी। यह घटनाक्रम ट्विशा के परिवार द्वारा पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर चिंता जताने और प्रारंभिक जांच में अनियमितताओं का आरोप लगाने के बाद सामने आया है।

भीषण गर्मी में जून में परीक्षाएं कराना छात्र हित में नहीं, शेष सेमेस्टर परीक्षाएं स्थगित हों - डा. अमित कुमार राय

संवाददाता।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ अमित कुमार राय ने प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जून माह में सेमेस्टर परीक्षाएं कराए जाने पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राओं और शिक्षकों के स्वास्थ्य को देखते हुए अंतिम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य सभी सेमेस्टर की शेष परीक्षाएं जून माह में आयोजित नहीं कराई जानी चाहिए।डॉ अमित कुमार राय ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा पहले ही प्रदेश के विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर परीक्षाएं 15 मई तक संपन्न कराने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि कई विश्वविद्यालय अब तक इन निर्देशों का पालन नहीं कर सके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है और कई जनपदों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। ऐसे विषम मौसम में जून के दौरान परीक्षाएं आयोजित करना छात्र और शिक्षक हितों के साथ अन्याय होगा।उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्यपाल को भेजे पत्र में मांग की है कि विश्वविद्यालयों को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि अंतिम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य शेष परीक्षाओं को जून माह में कराने से रोका जा सके। उनका कहना है कि छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 24 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

श्रमिक कल्याण और रोजगार सृजन को और प्रभावी बनाने के निर्देश, 'बाल श्रमिक विद्या योजना' सभी 75 जनपदों में होगी लागू

लखनऊ(आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में श्रम एवं सेवायोजन विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों और प्रस्तावित पहलों की समीक्षा करते हुए श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को अधिक व्यापक तथा परिणामोन्मुखी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में 'बाल श्रमिक विद्या योजना' को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विस्तारित करने, 'सेवामित्र व्यवस्था' को और अधिक प्रभावी बनाने, निर्माण श्रमिकों के लिए आधुनिक सुविधा केन्द्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने पर जोर दिया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे और बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जाए। साथ ही निजी क्षेत्र के सहयोग से ऐसे बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना तैयार की जाए।बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2020 में शुरू की गई 'बाल श्रमिक विद्या योजना' के अंतर्गत 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कामकाजी बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर आर्थिक सहायता दी जा रही है। वर्तमान में यह योजना 20 जनपदों में संचालित है। मुख्यमंत्री ने नए प्रावधानों के साथ इसे सभी 75 जनपदों में लागू करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने 'सेवामित्र व्यवस्था' को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताते हुए इसे और अधिक प्रभावी व जनोपयोगी बनाने की बात कही। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021 से संचालित इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिक मोबाइल अनुप्रयोग, वेब पोर्टल अथवा कॉल सेंटर के जरिए घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1,097 सेवा प्रदाता, 5,049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में भी आवश्यकता के अनुसार सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग में हुए संस्थागत सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि उद्योगों के अनुकूल वातावरण और श्रमिक हितों के बीच संतुलन बनाना सरकार की नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में अब तक 32,583 कारखाने पंजीकृत हो चुके हैं। मार्च 2017 तक यह संख्या 14,176 थी, जबकि अप्रैल 2017 के बाद 18,407 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ। वित्तीय वर्ष 2025–26 में 4,860 कारखानों का पंजीकरण किया गया। विभाग को बीआरएपी के क्रियान्वयन में 'टॉप अचीवर' की मान्यता प्राप्त हुई है तथा उद्योग समागम 2025 में श्रम क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के लिए सभी औद्योगिक शहरों में प्रस्तावित श्रमिक सुविधा केन्द्रों यानी 'लेबर अड्डों' को व्यवस्थित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केन्द्रों को केवल श्रमिकों के एकत्रीकरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि श्रमिक सहायता एवं सुविधा केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए। दूसरे क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित आवास सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

कानपुर में प्रस्तावित औद्योगिक श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान और छात्रावास योजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। बैठक में जानकारी दी गई कि विष्णुपुरी स्थित भूमि पर 200 प्रशिक्षुओं की क्षमता वाला प्रशिक्षण संस्थान प्रस्तावित है, जहां बढ़ईगिरी, विद्युत कार्य, फिटर, प्लम्बर, पेंटर और भवन निर्माण सहित विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त बेनाझाबर स्थित भूमि पर 200 प्रशिक्षुओं की क्षमता वाला छात्रावास भी प्रस्तावित है।मुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए कहा कि युवाओं को स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर रोजगार अवसर उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में बताया गया कि जुलाई 2025 में गठित 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' के माध्यम से देश और विदेश में रोजगार उपलब्धा कराने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। रोजगार मिशन को विदेश मंत्रालय से भर्ती एजेंसी का लाइसेंस भी प्राप्त हो चुका है। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और कानपुर में आयोजित रोजगार कार्यक्रमों के माध्यम से 27,555 युवाओं का चयन किया गया, जिनमें 2,300 युवाओं का चयन विदेशों में रोजगार के लिए हुआ।बैठक में यह भी बताया गया कि वर्ष 2025–26 के दौरान प्रदेश में 3,030 रोजगार मेलों और परिसर नियुक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से 3,74,776 अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। इसी अवधि में आयोजित 4,873 करियर परामर्श कार्यक्रमों में 6,80,469 युवाओं ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि रोजगार मेलों को केवल औपचारिक आयोजन न बनाकर उद्योगों की वास्तविक मांग और युवाओं की क्षमता से जोड़ा जाए तथा इसे सरदार वल्लभभाई पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लॉयमेंट जोन से भी जोड़ा जाए।

वैश्विक रोजगार अवसरों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा विश्वस्तरीय अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम है। बैठक में जानकारी दी गई कि जर्मनी, जापान और स्लोवाक गणराज्य सहित विभिन्न देशों में रोजगार की संभावनाएं चिन्हित की गई हैं।

राधा कृष्ण रासलीला ने मोहा लोगो का मन

गंगा दशहरा के सातवें दिन- प्रेम रस में सराबोर हुआ संगम तट

प्रयागराज(आरएनएस)। शनिवार को गंगा दशहरा के सातवें दिन भी कार्यक्रम की शुरुआत पुण्य सलिला मां गंगा जी के साथ गणेश भगवान की पूजा अर्चना एवं महाआरती के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने किया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ आई पी एस अधिकारी पंकज पांडेय, विशिष्ट अतिथि उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्नीरज त्रिपाठी तथा अति विशिष्ट अतिथि प्रयाग होटल इन के डायरेक्टर रौनक गुप्ता रहे। आज के मुख्य यजमान श्रीमती कविता यादव प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा भाजपा तथा यजमान अनिल केसरवानी महानगर भाजपा रहे। आज का भोग प्रसाद जय त्रिवेणी जय प्रयाग समित के माध्यम से सम्पन्न हुआ। गंगा पूजन, महाआरती एवं महाप्रसाद वितरण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। सर्व प्रथम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटक के माध्यम से समाज में बेटियों के प्रति लोगों की सोच को प्रस्तुत किया गया। गंगा प्रदूषण पर आधारित झांकियों की प्रस्तुति से माँ गंगा को कैसे स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त रखा जाय जय त्रिवेणी जय प्रयाग ने इस पर भी विचार रखे।कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष श्री प्रदीप पांडेय एवं मीडिया प्रभारी अजय प्रकाश मिश्रा ने आए हुए अतिथियों के प्रति अपना आभार प्रकट किया। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय संरक्षक नागेंद्र सिंह, आशुतोष पालीवाल, प्रभारी श्रीमती अनुराधा त्रिपाठी, सुमित वैश्य, सर्वेश शंकर कपूरिहा, संदीप तिवारी ष्नौजवानष्, असीम भारद्वाज, रोशनी अग्रवाल, पवित्र तिवारी, सत्यम तिवारी, विनय दुबे, अनुराग सिन्हा, धीरज केसरवानी, संजीव पांडेय, दीपमाला पांडेय, छाया पांडेय, रवि शर्मा आदि मौजूद रहे।

म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल हुए शहर में खुलवाए गए खाते

प्रयागराज(आरएनएस)। पुलिस जांच में साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। जांच सामने आया है कि दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों से संचालित साइबर फ्रॉड गैंग के लिए प्रयागराज से बैंक खातों का इस्तेमाल "म्यूल अकाउंट" के रूप में किया जा रहा था। इस मामले में साइबर क्राइम थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एफआईआर प्रशांत सिंह के खिलाफ दर्ज की गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उसके नाम और उसकी फर्म से जुड़े कई बैंक खातों में देशभर की साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर होने के साक्ष्य मिले हैं।एडीजी साइबर क्राइम के निर्देश पर शुरू हुई जांच मामले की जांच अपर पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम उत्तर प्रदेश और डीसीपी गंगानगरध्नोडल साइबर क्राइम के निर्देश पर शुरू की गई थी। पुलिस को थाईलैंड, वियतनाम, लाओस और कंबोडिया जैसे देशों से संचालित साइबर फ्रॉड नेटवर्क में इस्तेमाल हो रहे भारतीय बैंक खातों की पहचान करने का निर्देश मिला था। इसी क्रम में सिविल लाइंस क्षेत्र से जुड़े बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा था। जांच के दौरान केनरा बैंक सिविल लाइंस शाखा का एक खाता पुलिस के रडार पर आया।पुलिस ने जब खाते को गृह मंत्रालय के एनसीआरपी पोर्टल पर चेक किया तो उसके खिलाफ देशभर से साइबर अपराध की 101 शिकायतें दर्ज मिलीं। शिकायतें राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब, असम, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों से जुड़ी मिलीं। इन शिकायतों में दर्ज कुल संदिग्ध रकम करीब 7 लाख 49 हजार 764 रुपये पाई गई।जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उक्त बैंक खाता "अप्तीवेदा इंटरप्राइजेजष् नामक फर्म से जुड़ा है। इसके बाद फर्म से जुड़े अन्य बैंक खातों की जांच की गई, जिसमें और भी बड़े साइबर ट्रांजेक्शन सामने आए। इंडियन बैंक खाते में 3.40 लाख रुपये आने की शिकायत मिली।

एक बिस्वा जमीन के लिए बड़े भाई की कर दी हत्या

कुल्हाड़ी से सिर धड़ से अलग किया, छोटे भाइयों ने भाभी को भी पीटा

प्रयागराज(आरएनएस)। मऊआइमा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 8 बजे दो छोटे भाइयों ने मिलकर बड़े भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। मृतक संतोष (45) शनिवार सुबह ही मुंबई से घर लौटा था। इस दौरान बचाव में आई उसकी भाभी भी घायल हो गई। हत्या के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया।

मृतक की पत्नी अर्चना की तहरीर पर पांच नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा के बादलपुर गांव का रहने वाला संतोष कुमार विश्वकर्मा मुंबई में फर्नीचर का काम करता था। संतोष के पिता नंद किशोर की मौत हो चुकी है। उनके चार बेटे हैं– संतोष, अशोक, विनोद और मनोज। इनमें संतोष सबसे बड़ा था। परिवार की कुल जमीन 4 विश्वा है, जिसमें चारों भाइयों का एक–एक विश्वा हिस्सा है। सभी भाई मुंबई में फर्नीचर का काम करते हैं। करीब दो महीने पहले अशोक और विनोद अपने गांव लौट आए और अपना मकान बनवाने का काम शुरू कर दिया। संतोष की पत्नी अर्चना ने बताया कि जमीन बंटवारे को लेकर करीब एक साल से विवाद चल रहा था। उन्होंने सभी से कहा था कि पहले जमीन का बंटवारा कर लिया जाए, उसके बाद ही मकान बनवाया जाए।

शनिवार सुबह करीब 7 बजे संतोष मुंबई से घर लौटा। जैसे ही वह घर के अंदर पहुंचा, अशोक और विनोद वहां अपना मकान बनवाने के लिए गड्ढा खुदवा रहे थे। इस पर संतोष ने कहा कि पहले बंटवारा हो जाने दो, फिर काम शुरू करना।

इसके बाद अशोक और विनोद ने गाली–गलौज शुरू कर दी। संतोष को कुछ समझने का मौका भी नहीं मिला कि दोनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों ने पास में रखी कुल्हाड़ी उठाकर संतोष पर वार किया और उसका सिर ध ड़ से अलग कर दिया। वारदात के बाद घटनास्थल पर खून फैल गया। बीच–बचाव करने पहुंची अर्चना पर भी हमला किया गया, जिससे वह घायल हो गईं।संतोष की पत्नी अर्चना की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों में अशोक कुमार विश्वकर्मा, विनोद कुमार विश्वकर्मा, अशोक की पत्नी नीलम विश्वकर्मा, विनोद की पत्नी नीलम विश्वकर्मा और अशोक का बेटा रोहित शामिल हैं।

अशटो में टप्पेबाजी कर जेवर उड़ाने वाला अंतर्जनपदीय गिरोह गिरफ्तार, कृष्णानगर पुलिस ने तीन शातिर दबोचे

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी में ऑटो और टेंपो में बैठने वाले यात्रियों, विशेषकर महिलाओं को निशाना बनाकर टप्पेबाजी करने वाले एक शातिर अंतर्जनपदीय गिरोह का कृष्णानगर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह की सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चोरी किए गए आभूषण, नगदी और वारदात में प्रयुक्त बोलेरो वाहन बरामद किया है। गिरोह के सदस्य भीड़भाड़ वाले चौराहों और मेट्रो स्टेशनों के आसपास यात्रियों को भ्रमित कर उनके जेवर और कीमती सामान चोरी कर लेते थे।पुलिस के अनुसार, 20 मई 2026 को सरोजनीनगर निवासी कृष्णा मिश्रा की तहरीर पर थाना कृष्णानगर में मुकदमा संख्या 219ध्2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में अवध चौराहे पर ऑटो में बैठी अज्ञात महिलाओं द्वारा टप्पेबाजी कर सामान चोरी किए जाने की बात कही गई थी। इसी प्रकार 22 मई को उन्नाव निवासी रामकुमारी तथा चिनहट निवासी बबली भारती की शिकायत पर भी अलग–अलग मुकदमे दर्ज किए गए।लगातार हो रही घटनाओं पर अंकुश लगाने और मामलों के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में चार विशेष टीमों का गठन किया गया। साथ ही एक टीम को सादे वस्त्रों में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी के लिए लगाया गया। सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर की निगरानी में गठित टीमों ने करीब 150 सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र के आधार पर जांच आगे बढ़ाई।इसी क्रम में 23 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने डूडा कॉलोनी, आशाराम बापू मार्ग से गिरोह की सरगना बिंदु उर्फ चिंकी, गीता देवी और नरसिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि बिंदु उर्फ चिंकी गिरोह का संचालन करती थी और सभी आरोपी मूल रूप से गोरखपुर जनपद के निवासी हैं। गिरोह के सदस्य विभिन्न शहरों में होटल या झुग्गी–झोपड़ियों में अस्थायी रूप से ठहरते थे और भीड़भाड़ वाले इलाकों में संभावित शिकार की तलाश करते थे।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बिना नंबर प्लेट लगी बोलेरो गाड़ी से शहरों में पहुंचते थे। गिरोह का सदस्य नरसिंह वाहन चलाकर लाता था और सड़क किनारे वाहन खड़ा कर सभी सदस्य चौराहों, मेट्रो स्टेशनों और व्यस्त स्थानों पर छोटे बच्चों के साथ खड़े होकर लोगों की गतिविधियों की निगरानी करते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति ऑटो या टेंपो में बैठता, गिरोह की महिलाएं उसी वाहन में चढ़कर धक्का–मुक्की कर यात्रियों को असहज और भ्रमित कर देती थीं। इसी दौरान अन्य सदस्य बड़ी सफाई से यात्रियों के सोने–चांदी के आभूषण, पर्स और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते थे।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि कृष्णानगर मेट्रो स्टेशन के पास एक महिला की चौन चोरी करने के अलावा 19 और 20 मई को अवध चौराहे पर अलग–अलग समय में एक चौन और मंगलसूत्र का लॉकेट भी चोरी किया गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए गिरोह लगातार अपना ठिकाना बदलता रहता था और वारदात के बाद बोलेरो से तत्काल फरार हो जाता था।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो पीली धातु की चौन, एक मंगलसूत्र का लॉकेट, 12 हजार रुपये नकद तथा वारदात में प्रयुक्त बोलेरो वाहन बरामद किया है। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह की सरगना बिंदु उर्फ चिंकी के खिलाफ पहले से पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी विभिन्न मामले दर्ज पाए गए हैं।

डिजिटल साक्षरता अभियान विद्यार्थियों के लिए वरदान- प्रोफेसर सत्यकाम

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली एवं विंटेक कंप्यूटर एजुकेशनल, बरेली के मध्य शनिवार को हुए समझौता ज्ञापन के उपरांत आयोजित उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि आज का युग डिजिटल क्रांति का युग है। केवल पारंपरिक शिक्षा से युवाओं को आत्मनिर्भर नहीं बनाया जा सकता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का हमेशा से यह प्रयास रहा है कि हम शिक्षा को हर घर तक पहुंचाएं। विंटेक कंप्यूटर एजुकेशनल के साथ हुआ यह समझौता इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से बरेली और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को उच्च स्तरीय तकनीकी और कंप्यूटर शिक्षा सुलभ होगी, जो उन्हें सीधे रोजगार से जोड़ेगी। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है जो किसी कारणवश नियमित विश्वविद्यालय नहीं जा पाता। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चंद मिश्र ने बताया कि प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। क्षेत्रीय केंद्र बरेली के समन्वक डॉ सत्येंद्र बाबू ने अतिथियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कंप्यूटर साक्षरता आज के समय के लिए अत्यंत अनिवार्य है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों और युवाओं के लिए अवसरों का बड़ा माध्यम, निवेश बढ़ाने पर जोर केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को किसानों, उद्यमियों और युवाओं के लिए अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र बताते हुए कहा कि यह न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का भी प्रभावी माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी और इस क्षेत्र को बढ़ावा देना प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।उप मुख्यमंत्री ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों और प्रोत्साहनों को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों के उत्पादों का बेहतर मूल्य सुनिश्चित किया जा सकता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।इसी क्रम में शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी. एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के तहत गठित अप्रेजल समिति की बैठक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निवेशकों ने अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए, जिन पर विभागीय अधिकारियों और तकनीकी विशेषज्ञों ने विस्तृत चर्चा की।बैठक में बताया गया कि ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त छह नए प्रस्तावों को अप्रेजल समिति के समक्ष रखा गया। परीक्षण के दौरान एक प्रस्ताव अपूर्ण पाए जाने पर निरस्त कर दिया गया, जबकि पांच प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय एम्पावर्ड कमेटी (एसएलईसी) के समक्ष प्रस्तुत करने की संस्तुति की गई।संस्तुत परियोजनाओं में कानपुर देहात में कार्बोनेट वाइन निर्माण इकाई, मुजफ्फरनगर में ऑर्गेनिक गुड़ क्यूब्स तथा ब्राउन और व्हाइट शुगर इकाई, एटा में चिकोरी प्रसंस्करण इकाई, बाराबंकी में फ्रोजन फूड्स एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाई तथा हाथरस में कुट्टू और सौंफ प्रसंस्करण इकाई की स्थापना से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।बैठक में संबंधित इकाइयों को स्थानीय किसानों से प्राथमिकता के आधार पर कच्चे माल की खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही निवेशकों को अग्नि सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और अन्य आवश्यक तकनीकी अनापत्ति प्रमाण पत्र सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त करने के लिए कहा गया।

माफिया दिलीप मिश्रा का मकान पुलिस ने किया कुर्क

प्रयागराज(आरएनएस)। मंत्री नंद गोपाल नंदी की हत्या के प्रयास में आरोपी माफिया दिलीप मिश्रा के खिलाफ शनिवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में नैनी स्थित उसके मकान को कुर्क किया। भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे अधिकारियों ने नैनी के दाउद नगर में मुनादी कराने के पर उसके मकान को सील कर दिया और वहां पर प्रशासन का बोर्ड लगा दिया। इस कार्रवाई से इलाके में खलबली मची रही।माफिया दिलीप मिश्रा चाका के ब्लाक प्रमुख रह चुका है। साथ ही उसकी पत्नी जिला पंचायत सदस्य भी थी। दिलीप का नाम कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के ऊपर हुए जानलेवा हमले में भी सामने आया था। इसके अलावा जिले के चर्चित डॉ. बंसल हत्याकांड में भी दिलीप मिश्रा को आरोपी बनाया गया था। नैनी के दाउदनगर में स्थित दिलीप मिश्रा के मकान को पुलिस कमिश्नर के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया गया है। पुलिस के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के लवायन कला गांव निवासी दिलीप मिश्रा के खिलाफ कई मुकदमे पंजीकृत हैं। वह फिलहाल फतेहगढ़ जेल में बंद है।

मेरठ में बिजली आपूर्ति बाधित होने पर बड़ी कार्रवाई, अधिशासी अभियन्ता योगेश कुमार निलंबित

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) ने मेरठ में लगातार विद्युत लाइनों में खराबी और आपूर्ति बाधित होने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए अधिशासी अभियन्ता योगेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर विभागीय कार्यों में लापरवाही, उच्चाधिकारियों को समय पर सूचना न देने और विद्युत आपूर्ति बहाल करने में उदासीनता बरतने का आरोप लगाया गया है।कारपोरेशन द्वारा जारी कार्यालय ज्ञाप के अनुसार, 19 मई 2026 को शाम 5रू47 बजे 132 केवी मोदीपुरम–द्वितीय कंकड़खेड़ा लाइन ट्रिप हो गई थी, जिसमें टावर संख्या 33 और 34 के बीच कंडक्टर टूट गया। इसके अगले दिन 20 मई को सुबह 7रू51 बजे 132 केवी मोदीपुरम–द्वितीय बेदव्यासपुरी लाइन भी ट्रिप हुई, जिसमें टावर संख्या 8 और 9 के बीच मिड स्पैन ज्वाइंट से कंडक्टर टूट गया तथा टावर का ऊपरी हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।इसके अतिरिक्त 19 मई को दोपहर 2रू25 बजे 132 केवी शताब्दीनगर–परतापुर प्रथम सर्किट के आइसोलेटर में खराबी आने से संबंधित लाइनों में ट्रिपिंग हुई, जिसके कारण 132 केवी उपकेंद्र परतापुर और बेदव्यासपुरी से जुड़े 33 केवी और 11 केवी पोषकों की विद्युत आपूर्ति प्रभावित रही।कारपोरेशन की समीक्षा में सामने आया कि अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खंड–प्रथम, मेरठ द्वारा इन ब्रेकडाउन की जानकारी अधीक्षण अभियन्ता और मुख्य अभियन्ता (पारेषण पश्चिम), मेरठ को समय पर नहीं दी गई।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से जीवन बेहाल- उज्जवल

जर्जर तार फूके ट्रांसफार्मर से जमुनापार की स्थिति बद से बदतर

प्रयागराज(आरएनएस)। इलाहाबाद सांसद उज्जवल रमण सिंह ने चरमराई बिजली व्यवस्था पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जनता इस भीषण गर्मी में पानी बिजली के लिए त्राहि त्राहि कर रही हैं और मंत्री से लेकर संतरी जनता की परेशानी से कुछ लेना देना नहीं।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने कहा कि पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह जब बिजली मंत्री थे तो जमुनापार को बुंदेलखंड घोषित कराया था जिससें 20 घंटे बिजली की आपूर्ति कराते थें।सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि पर्यावरण मंत्री रहते हुए सांसद उज्जवल रमण सिंह ने तीन बिजली उत्पादन कारखाना स्वीकृत कराया था जिसमें मेजा व बारा में उत्पादन चालू हो गया विरोधी अडंगा न लगाते तो तीसरा कचरी करछना भी चालू हो जाता। सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि एनटीपीसी मेजा में दूसरी यूनिट 2400 मेगावाट भी स्वीकृत हो गई जो पांच साल में पूर्ण होती जिससे 1320 मेगावाट अभी और पीपीजीसीएल बारा की भी दूसरी यूनिट आने वाली हैं जिससे दोनों को मिलाकर प्रयागराज जमुनापार बिजली उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर होगा यह होता हैं भविष्य सवारने वाले दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का नतीजा।

आय से छह गुना अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड वरिष्ठ लिपिक विजिलेंस के शिकंजे में

सुलतानपुर लखनऊ(आरएनएस)। भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय में तैनात रहे सेवानिवृत्त वरिष्ठ लिपिक भानु प्रताप सिंह पर विजिलेंस का शिकंजा कस गया है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में विजिलेंस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मूल रूप से अमेठी जनपद के मुंशीगंज निवासी भानु प्रताप सिंह वर्ष 2020 में सेवानिवृत्त हुए थे। शासन के निर्देश पर अप्रैल 2023 में उनके वर्ष 1992 से 2020 तक के सेवाकाल के दौरान अर्जित चल–अचल संपत्तियों की जांच कराई गई। अयोध्या सेक्टर की विजिलेंस टीम की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के अनुसार सेवाकाल में भानु प्रताप सिंह की वैध आय कुल 70 लाख 38 हजार 405 रुपये पाई गई, जबकि इसी अवधि में उन्होंने संपत्ति खरीद, भरण–पोषण और अन्य मदों में 4 करोड़ 39 लाख 28 हजार 884 रुपये खर्च किए। जांच में आय और व्यय के बीच 3 करोड़ 68 लाख 90 हजार 479 रुपये का भारी अंतर मिला, जो उनकी वैध आय से करीब छह गुना अधिक है। विजिलेंस अधिकारियों ने पूछताछ के दौरान इस अंतर के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर शासन को रिपोर्ट भेजी गई। शासन ने 20 मार्च 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की अनुमति दे दी।

राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे संदिग्ध हालत में अधेड़ का शव मिलने से सनसनी

सुलतानपुर। जिले के चांदा कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटना चांदा थाना क्षेत्र के कालिकागंज चौराहे के पास ग्राम बैतीकला के समीप की है। शुक्रवार को सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है, जो क्षेत्र में कबाड़ बीनकर अपना जीवन यापन करता था। हालांकि उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक शव पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

स्वास्थ्य कर्मी हटाए गए, कार्यवाह सीएमओ डा. बृजनंदन के कार्यकाल में हुई थी नियुक्ति

कुशीनगर, (आरएनएस)। स्वास्थ्य विभाग में नियमों को दरकिनार कर आउट सोर्सिंग पर नौकरी पाए 24 सफाई कर्मी और सपोर्ट स्टाफ की सेवाएं समाप्त कर दी गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर सीडीओ द्वारा तीन सदस्यीय जांच में गड़बड़ी पाए जाने पर नियुक्ति को निरस्त कर दिया गया। तीन माह पहले पूर्व सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया द्वारा 12 अभ्यर्थियों की फर्जी तरीके से नियुक्ति की गई थी। शिकायत पर जिलाधिकारी के आदेश पर सीडीओ के द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम गठित किया गया था, जांच में गलत पाए जाने पर जिलाधिकारी के द्वारा 12 अभ्यर्थियों की नियुक्ति निरस्त कर दिया गया। पूर्व सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया और डॉ बृजनंदन पर अभी तक कानूनी कार्यवाही नहीं किया गया जबकि जिलाधिकारी के आदेश पर जांच में फर्जी तरीके से नियुक्तियां किया जाना पाया गया। अब देखना है कि सरकार इन अधिकारियों पर कार्यवाही करती है या निर्दोष कर मुक्त कर देती है। अगर ये फर्जी नियुक्ति आम आदमी करता तो उसके ऊपर एफआईआर कर जेल भेज दिया गया होता।

एसपी चारु निगम का बड़ा एक्शन करौंदी कला थाने में इंस्पेक्टर की तैनाती, कई चौकियों पर फेरबदल

सुलतानपुर। जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए अपने सख्त और एक्शन वाले अंदाज का परिचय दिया है। लगातार अपराध नियंत्रण और स्मार्ट पुलिसिंग पर फोकस कर रहीं एसपी ने करौंदी कला थाने में इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी की तैनाती कर स्पष्ट संदेश दे दिया है कि लापरवाही अब किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। कादीपुर में इंस्पेक्टर क्राइम की जिम्मेदारी संभाल रहे अश्विनी कुमार सिंह को अब करौंदी कला थाने का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं अब तक थाना अध्यक्ष की कुर्सी संभाल रहे दरोगा ज्ञानेश दूबे को वलीपुर रिपोर्टिंग चौकी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक चारू निगम लगातार जिले की कानून व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। बीते दिनों दो दर्जन गोवंशों के मृत मिलने की घटना के बाद से पुलिस महकमे में लगातार हलचल बनी हुई है और जिम्मेदार अधिकारियों पर जवाबदेही तय की जा रही है। एसपी के नेतृत्व में सुलतानपुर पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। हाल के दिनों में कई बदमाश पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किए गए, जिससे अपराधियों में खौफ और आम जनता में भरोसा बढ़ा है। तेज कार्रवाई और त्वरित निर्णय क्षमता के चलते पुलिस अधीक्षक चारू निगम की कार्यशैली जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है।

अग्निशमन केंद्र या बंधुआ श्रम शिविर?

सुल्तानपुर। जिस वर्दी को आपदा में लोगों की जान बचाने के लिए पहनाया गया, उसी वर्दी से अब झाड़ू लगवाई जा रही है। अग्निशमन केंद्र में तैनात होमगार्ड जवानों से सुरक्षा ड्यूटी छोड़ कबाड़ ढुलवाने, पाइप फैलाने, परिसर की सफाई और मजदूरों जैसे काम कराए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद विभागीय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भीषण गर्मी में पसीने से लथपथ जवान जब झाड़ू–पोछा करते दिखे, तो लगा मानो अग्निशमन केंद्र नहीं, कोई ठेकेदार का गोदाम चल रहा हो। जिन हाथों को आग बुझाने और आपदा से लड़ने के लिए तैयार किया गया, उन्हीं हाथों में अब झाड़ू और कबाड़ थमा दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों का रवैया ऐसा है कि जवान वर्दी में कम और मुफ्त के मजदूर ज्यादा नजर आ रहे हैं। विभागीय दबाव इतना कि जवान चाहकर भी खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे। सवाल यह है कि क्या सरकार ने होमगार्डों की भर्ती आग से लड़ने के लिए की थी या अफसरों की निजी व्यवस्था संभालने के लिए। वर्दी का सम्मान करने की बात मंचों से खूब होती है, लेकिन यहां उसी वर्दी को धूल में रगड़ा जा रहा है। यदि यही हाल रहा तो कल को जवानों से फाइलें उठवाने, चाय बनवाने और अफसरों के निजी काम कराने पर भी कोई हैरानी नहीं होगी। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार अधिकारी इस वायरल सच पर सफाई देंगे या फिर हमेशा की तरह मामले पर पानी डालने की कोशिश करेंगे।

शियाने हैदर ए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन ने शहीदों के नाम पर किया रक्तदान

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शियाने हैदर ए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा जिला अस्पताल में शनिवार को शहीदों के नाम पर कैंप लगा कर रक्तदान किया गया।रक्तदान शिविर का उद्घाटन सीएमएस डॉ अभिनाश गुप्ता और सी एम एस संजय सिंह और डॉ अनुराग पाण्डेय और डॉ विजय चौधरी ने किया। किसी जरूमंद को खून देने पर जो खुशी मिलती है उसे शब्दों में बया नहीं किया जा सकता किसी तरह हमारा रक्त किसी की जिंदगी बचाने में हमे बहुत खुशी मिलती है खून के अभाव में न जाने कितने लोग दम तोड़ देते है संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अलमदार हुसैन ने बताया शियाने हैदर ए कर्रार वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से 23 मई को शहीदों की याद में 26 यूनिट खून दिया गया। इस मौके पर संस्था के नौवजवान मौजूद रहे डॉ मोहताशम, मोहम्मद मेंहदी, गुलाम हैदर, हैदर नकवी, मोहम्मद इरफान, सुनील कसौधन नुरूल हसन, बाकर, अलमदार हुसैन आदि मौजूद रहे।

ईदुज्जुहा पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने लिए जिला प्रशासन ने 02 सुपर जोनल, 06 जोनल एवं 38 सेक्टर मजिस्ट्रेट किया तैनात

कुशीनगर,ं (आरएनएस)। कुशीनगर जिला प्रशासन ने जनपद में आगामी ईदुज्जुहा, बकरीद पर्व को शांति एवं सौहार्द पूर्ण माहौल में सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से व्यापक प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की है। पर्व के दृष्टिगत जनपद के समस्त संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये हैं।जिलाधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह तंवर द्वारा जारी आदेश के अनुसार 27 मई से 29 मई तक जनपद के विभिन्न तहसीलों, थाना क्षेत्रों एवं पुलिस चौकियों पर 02 सुपर जोनल मजिस्ट्रेट, 06 जोनल मजिस्ट्रेट एवं 38 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किया गया हैं। समस्त अधिकारी अपने–अपने आवंटित क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि सभी तैनात मजिस्ट्रेट स्थानीय पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी इंचार्ज से समन्वय स्थापित कर सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखें। किसी भी प्रकार की अफवाह, विवाद अथवा शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।उन्होंने कहा कि वर्तमान में लागू धारा 163 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाय तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाये रखा जाय। सभी अधिकारी अपने तैनाती स्थल पर उपस्थित रहकर समय–समय पर उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति से अवगत कराते रहेंगे। पर्व के दौरान त्वरित समन्वय एवं निगरानी हेतु कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नंबर 05564–240090 निर्धारित किया गया है। कंट्रोल रूम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। जो लगातार अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर स्थिति की जानकारी प्राप्त करेंगे।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील किया है कि ईदुज्जुहा पर्व को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के वातावरण में मनाएं तथा किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना अथवा अफवाह पर ध्यान न दें।

त्यौहार के मद्देनजर साफ सफाई, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं हेतु दिए गए निर्देश

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में आगामी त्यौहार ईदुज्जुहा, बकरीद के दृष्टिगत पीस कमेटी की बैठक जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार की उपस्थिति में धार्मगुरुओं, संभ्रांत व्यक्तियों के साथ संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा आगामी त्यौहार बकरीद के मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश सभी संबंधित को दिए गए। उपरोक्त त्यौहार के दृष्टिगत सर्वप्रथम आए हुए जन सामान्य, प्रबुद्ध गणो से समस्या, विवादित स्थानों तथा संवेदन शील स्थानों पर उत्पन्न होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी एवं सुझाव लिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी त्यौहारों को परंपरागत तरीके से मनाया जाए, कोई नई परंपरा मान्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि समस्त त्योहारों को सकुशल संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रमों के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इस पर भी ध्यान दें। प्रतिबंधित पशुओं की बलि किसी भी स्थिति में न दी जाए तथा वेस्ट डिस्पोजल चिन्हित स्थानों पर ही किया जाए। इसके लिए सभी अधिकारी सतर्क एवं सक्रिय होकर कार्य करें। त्यौहारो के अवसर पर होने वाले विवादों के क्रम में उन्होंने कहा कि पूर्व से चले आ रहे आपसी विवाद भी कारण बन सकते हैं। इस लिए विवादों का पता कर सुलह–समझौता कराने का प्रयास किए जाए तथा उसकी जानकारी सभी संबंधित को भी दी जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का आपत्तिजनक पोस्ट कहीं भी न दिखे। पुलिस विभाग सहित सभी संबंधित अधिकारीच पूरी तरह से अलर्ट मोड में रहें।

विन्ध्य एना 2026 का सफल आयोजन, माँ विन्ध्यवासिनी मेडिकल कॉलेज में रचा गया रचनात्मकता का संगम

मीरजापुर। माँ विन्ध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, मीरजापुर के एनाटॉमी विभाग द्वारा "4जी विन्ध्यना 2026" का भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. संजीव कुमार सिंह एवं एनाटॉमी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. विपिन कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं ने इम्ब्रायोलॉजी मॉडल, हिस्टोलॉजी रंगोली और बॉडी पेंटिंग बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. संजीव कुमार, प्रो. विपिन कुमार, डॉ. प्रीति भटनागर, डॉ. पंकज पाण्डेय, डॉ. जयपाल, डॉ. क्षितिज, डॉ. आकांक्षा सहित अन्य चिकित्सा शिक्षकों ने छात्रों के मॉडल और रंगोली का बारीकी से अवलोकन किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के विजेताओं की घोषणा की गई।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य द्वारा विजेताओं को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से छात्रों के बौद्धिक और कौशल विकास को बल मिलता है तथा राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग के मानकों के अनुसार अध्ययन की पुष्टि भी होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हर विभाग को इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।कार्यक्रम का आयोजन एनाटॉमी विभाग के डॉ. दुर्गेश सिंह और संयोजक डॉ. ईश्वर प्रसाद द्वारा कराया गया। प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष के लगभग 100 छात्र–छात्राओं सहित समस्त चिकित्सा शिक्षक, चिकित्सक और एनाटॉमी विभाग के कर्मचारी विकास, राकेश, श्यामबाबू, जगदीश आदि उपस्थित रहे।

हीट वेव एवं लू प्रकोप के संबंध में जारी एडवाइजरी एवं किए जा रहे कार्य

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई0एम0डी0), लखनऊ के द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार जनपद मीरजापुर में दिनांक 27.05.26 तक हीट वेव संभावित मौसम रह सकता है ।

हीट वेव की तैयारी के दृष्टिगत जनपद में किए जा रहे मुख्य कार्य

रूम की स्थापना की जा रही है एवं छायादार स्थानों की प्याऊ के साथ व्यवस्था की गई है स

6. भारत मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा जारी किए जाने वाले हीट वेव एवं खराब मौसम से संबंधित मौसम पूर्वानुमान को सूचना विभाग के द्वारा, विभिन्न विभागीय व्हाटसप्प ग्रुप के द्वारा, पुलिस विभाग के कंट्रोल रूम द्वारा एवं आपदा मित्रों के माध्यम से मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट को ग्राम स्तर तक भेजा जा रहा

1. जनपद में नगर पालिका वार कुल 166 वाटर कूलर स्थापित हैं ।

2. जनपद की समस्त स्वास्थ्य इकाइयों एवं 2668 आंगनवाड़ी केंद्रों में ओ0आर0एस0 कॉर्नर की स्थापना की गई है स

3. जनपद के पंचायत राज विभाग द्वारा विभिन्न विकास खंडों में प्याऊ की स्थापना की गई है ।

4. जनपद में शिक्षा विभाग द्वारा हीट वेव के दृष्टिगत स्कूलों की समय सारिणी में काफी पहले बदलाव किया जा चुका है स

5. जनपद के विभिन्न शहरी स्थलों पर नगर पालिकावार एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तहसीलवार हीट रिलीफ शेल्टर के रूप में कोल्ड है ।

7. जनपद की समस्त स्वास्थ्य इकाइयों में कोल्ड रूम की स्थापना की गई है।

हीट वेव एवं लू प्रकोप के दौरान क्या करें

1. जनपद मीरजापुर में नगर पालिका के कूड़ा संग्रहण वाहन से ऑडियो क्लिप के माध्यम से प्रतिदिन हीट वेव जागरूकता के संबंध में ऑडियो चलाया जा रहा है, कृपया उस पर ध्यान दीजिए ।

2. पर्याप्त मात्रा में पानी पियें, प्यास को बिल्कुल भी टालें नहीं, प्यास लगने पर तत्काल पानी पीयें ।

3. हल्के रंग के पसीना शोषण करने वाले हल्के वस्त्र पहने।

4. टोपी या सर पर गमछा रख कर धूप में चलें व आवश्यकतानुसार छाता का भी उपयोग किया जा सकता है स

5. अगर आप खुले में कार्य करते हैं तो सिर, चेहरा, हाथ–पैरों को हल्के नमी वाली या गीले कपड़े से समय समय पर पोछते रहें और सर को ढक कर ही कार्य करें ।

6. लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटा कर तत्काल सूती गीले कपड़े से पोछें तथा चिकित्सक से संपर्क करें ।

7. यात्रा करते समय पीने का पानी साथ ले जाएं स

8. ओ0आर0एस, घर में बने हुए पेय पदार्थ जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके।

9. हीट स्ट्रोकध्हीट रैशधहिट क्रैंप के लक्षण जैसे कमजोरी, चक्कर आना, सर दर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानध्स

10. अपने घर को ठंडा रखें– पर्दे इत्यादी का उपयोग करें तथा शामध्रात के समय घर को ठंडा करने हेतु कुछ देर को सावधानीपूर्वक सभी खिड़की दरवाजे अवश्य खोल दें।

11. कार्य स्थल पर पीने हेतु ठंडा पानी अवश्य रखें स

12. कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें ।

13. घर से बाहर होने की स्थिति में आराम करने की समयावधि को बढ़ायें।

हीट वेव एवं लू प्रकोप के दौरान क्या ना करें

1. जानवरों एवं बच्चों को कभी भी बंद खड़ी गाड़ियों में अकेला ना छोड़े।

2. गहरे रंग के तथा भारी एवं तंग कपड़े ना पहनें ।

3. जब बाहर का तापमान अधिक हो तब श्रम साध्य कार्य बाहर न करें।

4. अधिक प्रोटीन तथा बासी एवं संक्रमित खाद्य एवं पेय पदार्थ का प्रयोग ना करें स अल्कोहल, चाय व काफी पीने से परहेज करें।

हीट स्ट्रोक के लक्षण

शुष्क त्वचा का होना, उच्च रक्तचाप, पसीना ना आना, तेज पल्स होना, श्वास गति में तेजी, सिरदर्द, मितली, थकान और कमजोरी होना, चक्कर आना, मस्तिष्क में क्षति होना ।

राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में गोरखपुर मंडल बना ओवरऑल चैंपियन

कुशीनगर, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जनपद के भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल डाभा सेमर में बीते दिनों आयोजित 36 वीं राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में गोरखपुर मंडल प्रदेश स्तर पर ओवर ऑल चौंपियन प्रथम स्थान हासिल किया। जिसमें कुशीनगर जनपद ने कुल 178 अर्जित कर 36 पदक प्राप्त किया है।

विकास भवन स्थित मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं सीडीओ वंदिता श्रीवास्तव द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राम जियावन मौर्य को प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व के लिए ट्रॉफी प्रदान किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कुशीनगर जनपद ने कुल 178 अंक अर्जित किए। प्रतियोगिता में शूटिंग, फुटबॉल, ताइक्वांडो, कुश्ती, जूडो, बॉक्सिंग, तैराकी, हैंडबॉल, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, बैडमिंटन एवं कबड्डी सहित विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक संगीता सिंह, खेल नोडल डॉ प्रभात चंद्र राय, रजनीश कुमार द्विवेदी एवं अनिल कुमार मिश्र जिला व्यायाम शिक्षक के नेतृत्व में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 39 पदक प्राप्त किए। जिनमें 31 स्वर्ण, 5 रजत एवं 3 कांस्य पदक शामिल हैं। शूटिंग प्रतियोगिता में आशिया खातून ने स्वर्ण पदक, सुमन ने रजत पदक, स्वीटी शर्मा ने कांस्य पदक तथा अंशु यादव ने रजत पदक प्राप्त किया। फुटबॉल बालक वर्ग की टीम विजेता रही। ताइक्वांडो में विनीता ने स्वर्ण, आनंद प्रजापति ने रजत तथा रोहित राजभर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। कुश्ती प्रतियोगिता में पुजारी एवं बादल ने स्वर्ण पदक तथा शिवम गुप्ता ने कांस्य पदक जीता। जूडो में शिवम गुप्ता ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अमन प्रसाद, दिलखुश, आनंद राय एवं श्याम कुमार ने स्वर्ण पदक हासिल किए। जबकि सागर एवं बादल ने रजत पदक प्राप्त किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर जनपद कुशीनगर ने ओवर ऑल चौंपियन का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि पर सांसद विजय कुमार दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, विधायक मनीष कुमार जायसवाल सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षाविदों, खेल प्रशिक्षकों एवं बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं।

कुशीनगर में भीषण हीट वेव, लू से रहे अलर्ट, नागरिक सावधानी बरतें- जिलाधिकारी

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भीषण गर्मी एवं हीट वेव (लू) की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार आगामी 28 मई तक हीट वेव की स्थिति जारी रहने तथा तापमान 47 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है। रात्रिकालीन तापमान में भी अपेक्षित कमी न होने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने जनपदवासियों से अपील किया है कि वे अत्यधिक गर्मी के दौरान विशेष सावधानी बरतें तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवायजरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सतर्कता गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचा सकती है।

भीषण गर्मी के कारण हीट एग्जॉशन, डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक तथा हृदय एवं श्वसन संबंधी बीमारियों के बढ़ने की आशंका रहती है। विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चे, धूप में कार्य करने वाले श्रमिक एवं गंभीरध्दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने जनपद नागरिकों को सलाह दी है कि प्रातः 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें तथा अधिक पसीना आने की स्थिति में ओआरएस, नींबू पानी अथवा इलेक्ट्रोलाइट युक्त पेय पदार्थों का सेवन करें। हल्के रंग के ढीले एवं सूती वस्त्र पहनें तथा बाहर निकलते समय टोपी, छाता अथवा स्कार्फ का प्रयोग करें। उन्होंने लोगों से शराब, अत्यधिक चाय–कॉफी एवं भारी भोजन से परहेज करने तथा हल्का एवं संतुलित भोजन एवं फलों का अधिक सेवन करने की अपील किया है। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि बच्चों एवं पालतू जानवरों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें तथा परिवार के बुजुर्ग सदस्यों का नियमित रूप से हालचाल लेते रहें। जिलाधिकारी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति में शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ना, भ्रम की स्थिति, बेहोशी, तेज धड़कन, पसीना बंद होना अथवा दौरे पड़ने जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे चिकित्सकीय आपात स्थिति मानते हुए तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा अस्पताल में उपचार कराएं। किसी भी आपात स्थिति में नागरिक एम्बुलेंस सेवा 108, जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र कुशीनगर के टोल फ्री नंबर 1077 अथवा संपर्क नंबर 05564–240590 पर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रीष्मावकाश अवधि में 15 जून तक बंद रहेंगे जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्र- डीएम

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देशानुसार उ०प्र० बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित विद्यालयों एवं मान्यता प्राप्त बेसिक विद्यालयों में घोषित ग्रीष्मावकाश अवधि 20 मई से 15 जून तक के दृष्टिगत जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्र भी आगामी 15 जून तक बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि 03 से 06 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की उपस्थिति आंगनबाड़ी केन्द्रों पर नहीं होगी। समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ अपने–अपने केन्द्रों पर उपस्थित रहते हुए पोषण ट्रैकर ऐप पर नियमित रूप से कार्य करेंगी। साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं द्वारा लाभार्थियों का आधार सत्यापन, ड्राई राशन वितरण, वजन मापन, गृह भ्रमण, समुदाय आधारित गतिविधियों तथा अन्य शासकीय कार्यों का निष्पादन पूर्व की भाँति किया जाएगा। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 24 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द–गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है–सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।सनातन केवल एक ध

ार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन–दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। "सत्यं वद, धर्मं चर", "वसुधैव कुटुम्बकम्", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी–सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल "हिंदू विरोध" बनाम "राजनीतिक विरोध" के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता–विरोध की राजनीति करते–करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन–दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रुवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है। भारत की राजनीति को "धर्म बनाम धर्म" की लड़ाई से ऊपर उठकर "जन बनाम जनसमस्या" के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप–प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास "वसुधैव कुटुम्बकम्" का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है–समावेश, करुणा और सहअस्तित्व। राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं–धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे।

सम्पादकीय

ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

व्यापार वार्ता में शामिल भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका के सामने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है? भारत की दलीलों को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। उसने अमेरिका की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट की निगरानी सूची में भारत को बनाए रखा है। इसका मतलब है कि बौद्धिक संपदा संबंधी नियमों में ढील देने के लिए अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखेगा। वह चाहता है कि भारत अपने दवा क्षेत्र को संरक्षण देने वाले कानून बदल दे, ताकि अमेरिकी कंपनियां यहां ज्यादा मुनाफा कमा सकें। धारा 301 अमेरिका का अपना कानून है। इसके बावजूद इसके तहत हुई जांच में भारत ने हिस्सा लिया। सुनवाई के दौरान दलील दी भारत के बौद्धिक संपदा संबंधी नियम विश्व व्यापार संगठन के कायदों के अनुरूप हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और आम जन को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय दवा कंपनियों को वैधानिक संरक्षण दिया गया है। साथ ही भारत ने अपने पेटेंट कानून में जरूरी सुधार किए हैं, ताकि आविष्कार भावना और जन हित दोनों के हित सध सकें। लेकिन ट्रंप प्रशासन के कदम से जाहिर है कि उसने इन तर्कों को ठुकरा दिया। उसने भारत पर तलवार लटकाए रखने का फैसला किया है। इसका संकेत है कि आगे चल कर इसके तहत वह प्रतिबंध या ऊंचा शुल्क लगाने जैसी कार्रवाइयां कर सकता है। उसने ये नजरिया तब अपनाया है, जब बताया गया है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है। मुद्दा यह है कि क्या भारत ये वार्ता अपने ऊपर लटक रही ऐसी तलवारों के साये में कर रहा है? अपेक्षित यह है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते में तमाम क्षेत्रों में कारोबार से जुड़ी पेचीदगियों को हल कर लिया जाए। यह तो नहीं हो सकता कि कुछ वस्तुओं के आयात– निर्यात पर सहमति बने, जबकि कुछ मामलों में अमेरिका दबाव बनाए रखे। अमेरिका के ताजा कदम से यह सवाल उठना लाजिमी है कि भारतीय वार्ताकार सौदेबाजी कर रहे हैं या वे सिर्फ अमेरिकी वार्ताकारों से डिक्टेशन ले रहे हैं? उन्होंने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

पश्चिमी बंगाल क्या हारे, हिंदू ध्रुवीकरण से विपक्ष की चूल्हें हिल गई?

पश्चिमी बंगाल का विधानसभा चुनाव के परिणाम एक युग का अंत और दूसरे युग का आरंभ है। चुनाव विशेषज्ञ देवस्कर भाऊ ने कहा है कि यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने ही नहीं जीता है बल्कि बंगाल की जनता ने 2021 की भूल सुधार की है। इस बार 2026 में हिंदू ध्रुवीकरण हुआ और उसमें अभिजात्य वर्ग भी शामिल हो गया है।

इस सनातनी ध्रुवीकरण से पूरे देश की विपक्ष और मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों चूल्हें हिल गई है चाहे वह समाजवादी पार्टी हो या कांग्रेस, डीएमके हो। यद्यपि माना जाता है कि 2021 में भी तत्कालीन समय में भी परिवर्तन हो सकता था मगर तृणमूल कांग्रेस के कादर ने मतदान के दिन दो बजे के बाद छापा मतदान कर दिया और बंगाल पुलिस, मतदान से जुड़े अधिकारियों ने टीएमसी को सहयोग किया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया के संपादक जयंत घोषाल कहते हैं कि अब हिंदू ध्रुवीकरण यहां से आगे ही बढ़ेगा और अन्य पार्टियां को अपनी राजनितिक जमीन नए सिरे से बनानी पड़ेगी। जयंत घोषाल ने कहा है कि केरल में दबे पांव सनातनी ध्रुवीकरण शुरू हो गया है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने 11.2 फीसदी वोट हासिल किए हैं।इतने मतों पर भारतीय जनता पार्टी को 20 सीट मिलना चाहिए था लेकिन किसी भी पार्टी ने भाजपा से हाथ नहीं मिलाया और 03 सीट ही मिली। लेकिन भाजपा को सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों की हार से उपजे निरंक को अगले चुनाव के लिए भरना पड़ेगा और जनता के बीच जाना पड़ेगा । बिहार, महाराष्ट्र, असम, उड़ीसा, हरियाणा, दिल्ली में भी सनातनी ध्रुवीकरण हुआ है। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2016 में 11 फीसदी वोट ले कर 03 सीट ही जीत सकी थी लेकिन 2021 में 40 फीसदी वोट मिले और सीट मिली 77 ,2026 में 46.5 मत हासिल कर 207 सीट जीती है। दरअसल गुरु गोलवलकर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को 1951 में इस लिए राजनीतिक दल बनाने के लिए कहा था क्योंकि तत्कालीन समय में हिंदुओं की बात करने को भी पाप बताया जाता था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी हिंदू महासभाई थे। और उन्होंने नेहरू मंत्री परिषद से इस्तीफा इस लिए दे दिया था क्योंकि कांग्रेस भी मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर चल पड़ी थी और जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान की अनुच्छेद 370 के तहत विशेष राज्य का दर्जा दे दिया था।

देश की वैश्विक पहचान बनाने और जड़ों से जोड़ने में मिली है कामयाबी

हमारे देश के हर क्रांतिकारी और आजादी के नायकों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पत्रकारिता को एक अस्त्र की तरह इस्तेमाल किया। लोकमान्य तिलक, विपिन चंद्र पाल, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी सबने पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्र को जागृत किया।इन दिनों भारत की मीडिया में बंदिशों और लोकतंत्र के सिकुड़ते जाने की कथाएं हवा में तैर रही हैं। लोकतंत्र बचाने में वे सब आगे हैं जिनके शासन की कथाएं उन्हें खुद मुंह चिढ़ा रही हैं। मीडिया को दबाने, नियंत्रित करने की कहानियां आज की नहीं हैं। लेकिन मीडिया की हिम्मत भी आज की नहीं है। हमारे देश में पत्रकारिता की शुरुआत ही जेम्स आगस्टस हिकी की क्रांतिकारी लेखनी से प्रारंभ होती है, जिसने अंग्रेज लाट साहबों की बैंड बजा दी। अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध फूंककर उसने अंग्रेज होकर भी जेलें झेलीं, जुर्माने चुकाए और खामोश मौत पाई। किंतु हिकी यह बता गया कि पत्रकारिता क्यों और कैसे करनी है। इसके बाद आजादी के आंदोलन में यही पत्रकारिता 'खबर' की जगह 'पैगाम' देने वाली बन गयी। जिसके कारण शायर को कहना पड़ा कि जब तोप मुकाबिल तो अखबार निकालो। हमारे देश के हर क्रांतिकारी और आजादी के नायकों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पत्रकारिता को एक अस्त्र की तरह इस्तेमाल किया। लोकमान्य तिलक, विपिन चंद्र पाल, लाला लाजपत राय, सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी सबने पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्र को जागृत किया। पत्रकारिता की भावभूमि आजादी के आंदोलन ने तय कर दी। वह थी जनपक्षधरता, न्याय के लिए संघर्ष और सत्यान्वेषण। आजादी के बाद देश के

नवनिर्माण का काम हो या आपातकाल विरोधी संघर्ष हमारे पत्रकारों ने हर जगह अपने उजले पदचिन्ह छोड़े। आज मीडिया का स्वरूप बहुत व्यापक हो गया है। वह अनेक मंचों से की जा रही है। प्रिंट, टीवी, रेडियो से अलग मोबाइल पर हो रही पत्रकारिता गजब कर रही है। कहा जा रहा कि डिजिटल का सूरज कभी नहीं डूबता। इसलिए आप देखें तो पाएंगे मीडिया की पहुंच मोबाइल के माध्यम से ज्यादातर लोगों तक हो रही है। मीडिया कन्वर्जेंस का माध्यम मोबाइल बने हैं। ऐसे में ज्यादातर चीजें सुनी और देखी जा रही हैं। पठनीयता के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। फिर भी इतना बड़ा देश अगर कुछ प्रतिशत में भी पढ़ता है तो भी संख्या आसानी से करोड़ों में होती है। दुनिया के तमाम देश एक भाषा में सोचते, पढ़ते और बोलते हैं। हिंदुस्तान 22 बड़ी भाषाओं और तमाम बोलियों में सुनता, पढ़ता और देखता है। इसलिए भारत के मीडिया का आकार बहुत व्यापक है।वैश्विक पटल पर उभरा भारत–डिजिटल मीडिया ने हमारे माध्यमों को वैश्विक किया है। भारतीय भाषाओं को वैश्विक किया है। कभी फिल्में हमारे भारतीय समाज का वैश्विक चेहरा बनाती थीं। अब मीडिया इसके केंद्र में है। यू–ट्यूब,सोशल मीडिया, वेब माध्यमों , ई–पेपर और ई–बुक्स से एक नई दुनिया बन रही है, जिसने भारत की वैश्विक छवि बनाने का काम किया है। आज भारत और उसकी भाषाओं के साथ अंग्रेजी भाषा में भी भारतीयों की खास उपस्थिति है। वे जो लिख, कह और कर रहे हैं उसने देश को दुनिया में व्यक्त किया है। हिंदुस्तानी जहां–जहां गए अपनी भाषा और संस्कृति के साथ गए और वहां एक लघु भारत खड़ा किया। यह लघु भारत आज मीडिया और संचार माध्यमों से शक्ति पाता है। अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ महसूस करता है। एक समय में अपनी भाषा के प्रकाशनों, पत्र–पत्रिकाओं, किताबों और मनोरंजन को प्राप्त करना मुश्किल था, किंतु डिजिटल माध्यमों ने इसे संभव किया है। दूरियां, भूगोल और भाषा सबके अंतर को पाटकर भारत आपके घर पहुंच जाता है। इससे भारत की शक्ति बन रही है। साफ्टपावर क्या कर सकती है, इसे हम सब महसूस कर रहे हैं।नया भारत बनाने में खास भूमिका–एक नया भारत बनाने और उसके एकीकरण में भारतीय मीडिया की भूमिका को स्वीकार करना चाहिए। अपने प्रारंभ से ही उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम भारतीय पत्रकारिता और साहित्य का स्वर एक रहा है। सबने भारत बोध को स्वर दिया है। एकत्व को स्थापित किया है। जगदगुरु शंकराचार्य के बाद भारत के एकीकरण का काम पत्रकारिता और साहित्य ने ही किया है। अपने राष्ट्रीय विचारों के समाचार पत्र से तमिलनाडु के सुब्रम्यण्यम भारती जो कर रहे थे, वही काम हिंदी में माखनलाल चतुर्वेदी कर रहे थे। उनके साहित्य और पत्रकारिता दोनों में भारत बोलता है। इस तरह हम देखते हैं कि समाचार माध्यमों ने न सिर्फ सूचनाओं का आदान प्रदान किया बल्कि एक देश में एक भाव भी भरा। यही हमारी पत्रकारिता की मूल शक्ति है। पत्रकारिता के नायक लोकमान्य तिलक का वाक्य स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, देश की वाणी बन गया। देश ने आजादी के सपने देखने प्रारंभ किए। उनकी प्रेरणा से अनेक लोग पत्रकारिता में आए और उसी भाव को लेकर आगे बढ़े। इनमें हिंदी के माधवराव सप्रे का उदाहरण सबसे खास है, जिन्होंने तिलक जी के मराठी अखबार 'केसरी' से प्रेरणा लेकर 'हिंदी केसरी' प्रारंभ किया। ऐसे अनेक नायक देश को जोड़ने के सूत्र खोजकर पत्रकारिता के माध्यम से सामने आते रहे। समस्त भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ संपादकों ने इस दौर में जो भाव जागरण किया है, वह अप्रतिम है।सांस्कृतिक प्रवाह है एकत्व का कारण– इतनी सारी भाषाओं, बोलियों, खानपान, स्थानीय प्रतीकों को लेकर चलता हुआ देश अगर एक है तो इसका कारण है, उसके सांस्कृतिक प्रवाह का एक होना। लंबी गुलामी, वैचारिक दासता से घिरे बुद्धिजीवियों द्वारा किए लंबे अनर्थ चिंतन के बाद भी इस देश की प्रज्ञा अगर सो नहीं गयी तो इसका कारण इस देश की गहरी सांस्कृतिक जड़ें हैं। समय–समय पर नायक आते रहे हैं। जो हमें याद दिलाते हैं कि सब कुछ कभी खत्म नहीं हो सकता। भारतेंदु हरिश्चंद्र उनमें एक हैं, गांधी हैं, बाद के दिनों में दीनदयाल उपाध्याय, डा. राममनोहर लोहिया, अटलबिहारी वाजपेयी हैं। इनमें से सब पत्रकारिता को अपनी अभिव्यक्ति का केंद्र बनाते हैं। मीडिया के माध्यम से समाज को उसके बोध से जोड़ते हैं। उसी समय समाज को राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त याद दिलाते हैं जाहिर है हमारी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि
मेष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी कई योजनाएं समय से पूरी हो जाएंगी। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलेगी।

वृष राशि
वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। आज कुछ बड़ा और अलग काम करने से आपको बचना चाहिए। किसी मामले को आपको बातचीत और शांति से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। साथ ही आप संवेदनशील भी हो सकते हैं।

मिथुन राशि
मिथुन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को पैसों के मामलों में लाभ हो सकता है। आज रोज की अपेक्षा ऑफिस में काम आसानी से पूरा हो सकता है।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं।

कन्या राशि–
कन्या राशि वालों आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। सभी काम आपके मन–मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

तुला राशि–
तुला राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए मौके आपको मिल सकते हैं।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज का दिन सुनहरे पल लेकर आयेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे।

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच कर सकते हैं।

कुंभ राशि–
कुंभ राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके दाम्पत्य रिश्ते मधुर होंगे।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं।

गौशालाओं के गोबर से तैयार हो रही वर्मी कंपोस्ट

'वर्मी कंपोस्ट बन रही महिलाओं की आर्थिक आजादी का माध्यम
'निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों से निकलने वाले गोबर से महिलाएं बना रही वर्मी कंपोस्ट

मीरजापुर। प्रदेश की योगी सरकार ने जिले के 49 गोवंश आश्रय स्थलों में हजारों की संख्या में गोवंश को संरक्षित किया। अब यही गोवंश आश्रय स्थल आमदनी का जरिया भी बनने लगे हैं। जिले के प्रत्येक विकासखंड में एक गोवंश आश्रय स्थल का चयन किया गया है, जहां पर स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा वर्मी कंपोस्ट तैयार की जा रही है। इससे जैविक खेती को जहां बढ़ावा मिलेगा, वहीं महिलाएं भी आर्थिक रूप से सशक्त हो सकेंगी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के उपायुक्त (स्वतरू रोजगार) रमाशंकर सिंह ने बताया कि जिले के 12 विकासखंडों में एक–एक गौशाला का चयन वर्मी कंपोस्ट तैयार करने के लिए किया गया था। जहां पर स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं द्वारा गौशालाओं से एकत्र किए गए गोबर को एक बड़े से गड्ढे डालकर सुबह–शाम पानी से सिंचित किया जाता है। इसके बाद इसमें केंचुआ डालकर प्राकृतिक खाद तैयार की जाती है। बताया कि वर्मी कंपोस्ट को तैयार होने में 45 से 60 दिन लगते हैं। मार्च माह से शुरू की गई वर्मी कंपोस्ट यूनिटों से अभी तक 5751 किलो वर्मी कंपोस्ट तैयार की जा चुकी है। वर्मी कंपोस्ट यूनिटों में तैयार वर्मी कंपोस्ट को किसान सीधे भी खरीद सकते हैं। इसके अलावा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इसे वन विभाग, उद्यान विभाग व एफपीओ को 10 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेचती हैं। अभी तक गौशालाओं के गोबर से तैयार वर्मी कंपोस्ट बेचकर महिलाओं को 35888 रुपए की आमदनी हो चुकी है। बताया कि अभी तक सबसे ज्यादा छानबे विकासखंड के अंतर्गत विजयपुर में संचालित वर्मी कंपोस्ट यूनिट में 3100 किलो वर्मी कंपोस्ट तैयार की जा चुकी है।

भागवत कथा सुनने से संस्कार और सकारात्मक सोच का होता है विकास

लालगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के बल्हिया खुर्द गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा और भागवत महात्म्य कथा के साथ हुआ। पूरे दिन गांव का माहौल भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। महिलाओं, युवतियों और श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या कलश यात्रा में शामिल हुई। भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कलश यात्रा बल्हिया खुर्द गांव से प्रारंभ होकर मिलिट्री ग्राउंड लालगंज होते हुए खजूरी स्थित नदी तट पहुंची। श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नदी से जल भरकर पुनः कथा स्थल तक यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति गीत गाते हुए चल रही थीं। जगह–जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया।वृंदावन धाम के कथा वाचक महाराज प्रशांत कुमार मिश्रा ने श्रीमद्भागवत महात्म्य की कथा सुनाते हुए कहा कि भागवत कथा श्रीकृष्ण की वह पवित्र धारा है। जिसका श्रवण मन और मस्तिष्क में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से व्यक्ति के भीतर अच्छे संस्कार, आत्मविश्वास और जीवन के प्रति सही सोच विकसित होती है।उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए धार्मिक और संस्कारयुक्त वातावरण अत्यंत आवश्यक है। कथा श्रवण से बच्चों के मन में ज्ञानात्मक ऊर्जा का विकास होता है और उनमें सूझबूझ, मुस्कुराहट तथा आत्मविश्वास बढ़ता है। इससे बुराइयों से दूर रहने और अच्छाइयों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है।महाराज ने कहा कि अच्छा व्यक्ति त्याग, तपस्या, सहयोग और रिश्तों के सम्मान के बल पर जीवन में निरंतर आगे बढ़ता है जबकि गलत आचरण और दूसरों को दुख देने वाला व्यक्ति स्वयं के साथ परिवार और समाज का भी नुकसान करता है।

जनगणना कार्य से जुड़े प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को सर्वेक्षण प्रक्रिया की दी गई जानकारी

लालगंज, मीरजापुर। तहसील सभागार में शुक्रवार को जनगणना कार्य से जुड़े प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को सर्वेक्षण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। नवागत उप जिलाधिकारी अजीत कुमार ने कहा कि जनगणना के दौरान घर–घर पहुंचकर प्रत्येक व्यक्ति का सही विवरण दर्ज किया जाए। जिससे कोई भी व्यक्ति गणना से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। ऐसे में यह कार्य पूरी जिम्मेदारी एवं सावधानी के साथ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रगणकों को निर्धारित फॉर्मेट एवं दिशा–निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए।उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों से जनगणना कार्य में सहयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सही जानकारी उपलब्ध कराने से क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं का आकलन संभव हो सकेगा और योजनाओं का लाभ लोगों तक बेहतर ढंग से पहुंचाया जा सकेगा।उन्होंने सुपरवाइजरों को नियमित निगरानी कर कार्य की समीक्षा करने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार दीक्षा पांडे सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रातभर बिजली कटौती से उपभोक्ता बेहाल, गर्मी में बढ़ी परेशानी

लालगंज, मीरजापुर। विद्युत उपकेंद्र लालगंज ग्रामीण क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। दिन के साथ–साथ रात में भी अघोषित कटौती जारी रहने से लोगों की नींद हराम हो गई है। गर्मी और उमस के बीच छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के तुलसी, नदनी, बस्तरा, लालापुर, बरडीहा, रजी, कटाई, निनवार, घराघनपुर, पतुलकी, मिश्रपुर, बसेरा, सेमरा प्रताप, कटवाल, पतार कला, खरिहट, खैरा, रामपुर कामता, कोमल, रानीबारी, तिखोर और नेवढ़िया समेत दर्जनों गांवों के उपभोक्ताओं ने बताया कि शाम ढलते ही बिजली की आंख–मिचौली शुरू हो जाती है। देर रात 11 बजे तक कटौती के बाद भी आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रात में बार–बार बिजली आने–जाने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

डीएम रविंद्र कुमार की पहल का व्यापक असर, पांचवें दिन भी ई-रिक्शा से अशफिस पहुचे डीएम व अन्य अधिकारी

आजमगढ़, (अर एन एस). प्रधानमंत्री एवं मा. मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा वैश्विक परिदृश्य के दृष्टिगत ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने हेतु ई–रिक्शा एवं सार्वजनिक वाहनों के अधिकाधिक प्रयोग की गई अपील का प्रभाव अब जनपद आजमगढ़ में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार द्वारा 18 मई से निरंतर ई–रिक्शा से कलेक्ट्रेट आने–जाने की पहल आज पांचवें दिन भी जारी रही। जिलाधिकारी की इस प्रेरणादायी पहल से प्रभावित होकर जनपद के अधिकांश अधिकारियों ने भी ई–रिक्शा एवं सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग को अपनाना प्रारंभ कर दिया है।इसी क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एन आर वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राजीव पाठक, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राम दरश यादव, जिला युवा कल्याण अधिकारी सुल्तान सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी ई–रिक्शा एवं सार्वजनिक वाहनों से अपने–अपने कार्यालयों का आवागमन किया।अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत करना समय की आवश्यकता है।सार्वजनिक परिवहन के प्रयोग से न केवल पेट्रोल–डीजल की खपत में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, यातायात नियंत्रण एवं प्रदूषण में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। जनपद प्रशासन की यह पहल आमजन के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रही है। प्रशासन का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक लोग सार्वजनिक परिवहन एवं ई–वाहनों के उपयोग को अपनाएं, जिससे ऊर्जा संरक्षण के साथ–साथ स्वच्छ एवं हरित वातावरण का निर्माण किया जा सके। जनपद आजमगढ़ में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अपनाया गया यह सकारात्मक कदम सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जन–जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभर रहा है।

जनगणना-2026 का प्रथम चरण आज हुआ विधिवत प्रारम्भ

आजमगढ़, (अर एन एस)जनपद आजमगढ़ में 07 मई से 21 मई 2026 तक संचालित स्व–गणना अभियान सफलतापूर्वक सम्पन्न हो ने के पश्चात अब जनगणना–2026 के प्रथम चरण, अर्थात् मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (भ्वनेम स्पेजपदह – भ्वनेपदह ब्मद. ेने) का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस चरण के अंतर्गत नियुक्त प्रगणक घर–घर जाकर प्रत्येक मकान का विस्तृत विवरण संकलित करेंगे। सर्वेक्षण के दौरान मकानों की नंबरिंग, भवन की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का संकलन किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने समस्त प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया है कि जनगणना कार्य पूर्ण सावधानी, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ सम्पन्न कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी घर गणना से वंचित न रहे तथा किसी भी मकान का दोहराव न हो। मा. मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार "हर घर की गणना" को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा।जनपद आजमगढ़ में जनगणना कार्य के प्रभावी संचालन हेतु कुल 24 चार्ज बनाए गए हैं, जिनमें 16 नगरीय चार्ज एवं 08 ग्रामीण चार्ज सम्मिलित हैं। इन 24 चार्जों के अंतर्गत कुल 9110 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं, जहां प्रगणक घर–घर जाकर सर्वेक्षण का कार्य करेंगे।प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना, जो जनगणना का प्रथम चरण है, उसमें बेघर परिवारों की गणना नहीं की जाती है। यह प्रक्रिया केवल मकानों एवं उनमें उपलब्ध सुविधाओं के आंकड़ों के संकलन से संबंधित है।जनपद प्रशासन ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करें। जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महंगाई को लेकर सपा ने किया हल्लाबोल प्रदर्शन

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बढ़ती महंगाई, बिजली पानी गैस हैण्डपम्प की मरम्मत एवं सूखे तालाबो को भरने एवं आम जनता की समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में जोरदार धरना व प्रदर्शन कर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित पांच सूत्रीय मांग पत्र सौपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि बेलगाम मंहगाई, बिजली दरो में वृद्धि, कामर्शिल गैस के बढ़ते दाम, पेट्रोल डीजल की मंहगाई, दूध एवं सब्जियो के दाम आसमान छू रहे है। बढ़ी कीमतो पर तत्काल रोक लगाने की मॉग प्रमुखता से उठाई। इस विशाल जन प्रदर्शन में घड़ा, गैस सिलेण्डर एवं घरेलू उपयोग वस्तुओ के साथ प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन करने वालो में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह पटेल, रोहित शुक्ला, रविन्द्र बहादुर सिंह, सुरेन्द्र सिंह पटेल, मुन्नी यादव, सोकिम अहमद, हरिशंकर यादव, जुम्मन खान, सियाराम जैसल, रविन्द्र कोल, पतालू यादव, पिन्टू यादव, रविन्द्र यादव, नागेन्द्र तिवारी, उपेन्द्र तिवारी, अशोक यादव, राजकमल कसेरा, विजय यादव, अनिल सोनकर, छविनाथ विश्वकर्मा आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

सुखड़ा नहर में डूबने से किशोर की हुई मौत, परिजनों में कोहराम

मीरजापुर। जिले के हलिया थाना क्षेत्र के सिकटा गांव के सुखड़ा नहर में शुक्रवार की दोपहर स्नान करने के दौरान नहर की झाल गिर कर किशोर की पानी में डूबने से मौत हो गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने नहर को बंद कराकर तलाश करने में जुट गए दो घंटे बाद नहर का पानी कम होने पर करीब दस मीटर दूर नहर में शव मिला। मौके पर मौजूद हलिया पुलिस ने कार्रवाई में जुट गई। हलिया थाना क्षेत्र के सिकटा कहरान बस्ती निवासी पंचराज का 16 वर्षीय पुत्र विनीत अपने एक भाई व अन्य के साथ सुखड़ा नहर के झाल पर स्नान करते समय अचानक पैर फिसलने पर नहर में डूब गया भाई की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने घटना की सुचना पुलिस को दिया। एसआई श्याम लाल की सूचना पर नहर को बंद कराया।नहर मे पानी कम होने पर ग्रामीणों ने किशोर के शव की तलाश करते हुए घटना स्थल से करीब दस मीटर दूर नहर में बरामद किया है। मृतक अवस्था में देख कर परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस ने कार्रवाई में जुट गई।किशोर बाहर रहकर परिवार का जीविकोपार्जन करता था। पांच भाइयो मे सबसे बड़ा था। मृतक की माता रतना रो –रो कर बेहोश हो जा रही है।

गांवों में पहुंची जनगणना टीम, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश

आजमगढ़ (अर एन एस)भारत सरकार द्वारा संचालित जनगणना 2026 का कार्य आज जनपद आजमगढ़ में प्रारंभ हो गया। इसी क्रम में निजामाबाद, मेहनगर एवं मार्टिनगंज तहसील के अंतर्गत आने वाले मुहम्मदपुर ब्लॉक में गणना कार्य का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी मुहम्मदपुर रवि प्रकाश, फील्ड ट्रेनर अंजनी कुमार मिश्र, राजेश कुमार एवं इरशाद अहमद के निर्देशन में किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी एवं फील्ड ट्रेनरों द्वारा विभिन्न गांवों की भ्स्ठ का भ्रमण कर गणना कार्य का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। सर्वप्रथम मेहनगर तहसील के ग्राम रानीपुर रजमो में प्रगणक शिल्पी पांडे, सुपरवाइजर घनश्याम उपाध्याय , रमाकांत भारतीय एवं प्रगणक प्रदीप राना ,सरिता सिंह के क्षेत्र में पहुंचकर गणना कार्य प्रारंभ कराया गया। इसके उपरांत निजामाबाद तहसील के गंभीरपुर ग्राम सभा में प्रगणक साधना यादव सुपरवाइजर अबू गानिम एवं फील्ड ट्रेनर राजेश कुमार द्वारा विभिन्न प्रगणकों के क्षेत्रों का भ्रमण कर कार्य का निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात मुहम्मदपुर ग्राम में प्रगणक मीनाक्षी राय एवं सरसेना खालसा कुमार, अंजनी कुमार मिश्र एवं इरशाद अहमद उपस्थित रहे।

जनपद आजमगढ़ में जनगणना 2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकान गणना" कार्य का शुभारंभ

आजमगढ़ (अर एन एस)आज जनगणना 2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकान गणना" कार्य का जनपद आजमगढ़ में विधिवत शुभारंभ किया गया। जनगणना कार्य के प्रारम्भ के साथ ही जनपद में विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय एवं सार्वजनिक स्थलों पर मकानोंध्भवनों की गणना एवं क्रमांकन की कार्यवाही संपादित की गई।इसी क्रम में सुपरवाइजर अमरनाथ शर्मा एवं प्रगणक विजेंद्र यादव द्वारा जिलाधिकारी आवास पहुंचकर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार से स्वगणना (ैमसि म्दनउमतं. जपवद) के अंतर्गत भरे गए आंकड़ों की पुष्टि की गई तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य संपादित किया गया। जनगणना मानकों के अनुरूप जिलाधिकारी आवास के मुख्य द्वार पर जनगणना मकान संख्या भ्–12 बछ–0001 अंकित की गई तथा मकान संबंधी आवश्यक विवरणों का संकलन किया गया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने जनगणना कार्य हेतु नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसे पूर्ण शुद्धता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने जनगणना टीम के साथ समूह छायाचित्र भी खिंचवाया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया।इसके अतिरिक्त जनपद के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध भंवरनाथ मंदिर परिसर में भी जनगणना कार्य के अंतर्गत भवन क्रमांकन किया गया। इस अवसर पर संबंधित चार्ज अधिकारी एवं जनगणना कार्मिक उपस्थित रहे तथा मंदिर परिसर में निर्धारित मानकों के अनुरूप भवन संख्या अंकित की गई। साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में भी जनगणना कार्य का शुभारंभ किया गया, जहां जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह द्वारा भवन संख्या अंकित कर कार्यवाही का औपचारिक प्रारम्भ कराया गया। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य समयबद्ध एवं त्रुटिरहित रूप से संपादित करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश भी प्रदान किए गए। उक्त अवसर पर संबंधित उपजिलाधिकारीध्अधिशासी अधिकारी प्रशांत कुमार

एवं चार्ज अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार, जनगणना कार्य से जुड़े जनपद के मास्टर ट्रेनर, जिला प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद में जनगणना 2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकान गणना" कार्य का शुभारंभ

आजमगढ़ (अर एन एस)आज 22 मई 2026 से जनगणना 2027 के प्रथम चरण "मकान सूचीकरण एवं मकान गणना" कार्य का जनपद आजमगढ़ में विधिवत शुभारंभ किया गया। जनगणना कार्य के प्रारम्भ के साथ ही जनपद में विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय एवं सार्वजनिक स्थलों पर मकानोंध्भवनों की गणना एवं क्रमांकन की कार्यवाही संपादित की गई।इसी क्रम में सुपरवाइजर अमरनाथ शर्मा एवं प्रगणक विजेंद्र यादव द्वारा जिलाधिकारी आवास पहुंचकर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार से स्वगणना (ैमसि म्दनउमतं. जपवद) के अंतर्गत भरे गए आंकड़ों की पुष्टि की गई तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य संपादित किया गया। जनगणना मानकों के अनुरूप जिलाधिकारी आवास के मुख्य द्वार पर जनगणना मकान संख्या भ्–12 बछ–0001 अंकित की गई तथा मकान संबंधी आवश्यक विवरणों का संकलन किया गया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने जनगणना कार्य हेतु नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसे पूर्ण शुद्धता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने जनगणना टीम के साथ समूह छायाचित्र भी खिंचवाया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया।इसके अतिरिक्त जनपद के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध भंवरनाथ मंदिर परिसर में भी जनगणना कार्य के अंतर्गत भवन क्रमांकन किया गया। इस अवसर पर संबंधित चार्ज अधिकारी एवं जनगणना कार्मिक उपस्थित रहे तथा मंदिर परिसर में निर्धारित मानकों के अनुरूप भवन संख्या अंकित की गई।साथ ही कलेक्ट्रेट परिसर में भी जनगणना कार्य का शुभारंभ किया गया, जहां जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह द्वारा भवन संख्या अंकित कर कार्यवाही का औपचारिक प्रारम्भ कराया गया।

तारकोल के दाम बढे: ठेकेदार एसोसिशन ने मुख्य अभियन्ता को सौंपा ज्ञापन

समस्याओं के निस्तारण की मांग

बस्ती। मार्ग निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली तारकोल, बिटुमिन की दरों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण मार्ग कार्यों में ठेकेदारों को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को बस्ती ठेकेदार एसोसिएशन अध्यक्ष राजमोहन सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, ठेकेदारों ने लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता आनन्द कुमार को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन सौंपने के दौरान अध्यक्ष राजमोहन सिंह, महामंत्री राजमणि सिंह ने मुख्य अभियन्ता को बताया कि अमेरिका–इजराइल, ईरान युद्ध के कारण विदुमिन के दरों में लगातार हो रही अप्रत्याशित वृद्धि के सम्बन्ध में अवगत कराया गया था और राहत की मांग की गयी थी। वर्तमान समय में इस वैश्विक संकट के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। ज्ञात हुआ है कि तारकोल ६ विटुमिन की बढ़ी हुए दर का भुगतान अनुबन्ध गठित ठेकेदारों को किया जायेगा, जो दिनांक 01.04.2026 से 30.06.2026 तक प्रभावी रहेगा जबकि विभाग द्वारा कोई लिखित सूचना अनुबन्धित ठेकेदारों को नहीं मिला है। बताया अनुबन्धित ठेकेदारों का 1 किमी0 या 1 किमी0 से कम अनुबन्ध गठित है, उन ठेकेदारों को तारकोल (विटुमिन) की सी आर सी मिलने में असुविधा हो रही है। इन छोटे ठेकेदारों के लिए उचित प्रबन्ध किया जाय। लोक निर्माण विभाग अपने स्टोर को पुनर्जीवित कर स्टोर से फ्री ऑफ कास्ट तारकोल निर्गत कर अनुबन्धित दरों से तारकोल की कटौती कर इस वैश्विक संकट से निजात दिलाते हुए विकास कार्य जारी रख सकते हैं।ज्ञापन लेने के बाद मुख्य अभियन्ता आनन्द कुमार ने कहा कि समस्याओं का नियमानुसार निस्तारण कराया जायेगा।तारकोल संकट को लेकर मुख्य अभियन्ता को ज्ञापन देने के दौरान एसोसिएशन वरिष्ठ उपाध्यक्ष जर्नादन पाठक, उपाध्यक्ष शिवेन्द्र प्रताप सिंह, रामफेर यादव, आशीष सिंह 'आशू', विजय यादव, रविन्द्र प्रताप सिंह, गोरख यादव, आशुतोष पाण्डेय, दिनेश श्रीवास्तव, विनोद चोधरी, भानु प्रताप सिंह, अमित सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, ठेकेदार शामिल रहे।

पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल में हुई एचआईवी, क्षय रोग की नि:शुल्क जांच

बस्ती। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम और क्षय रोग अधिकारी डा. ए.के. गुप्ता के दिशा निर्देशन में पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा में शिविर लगाकर 100 लोगों की एचआईवी, क्षय रोग आदि की नि:शुल्क जांच किया गया।हास्पिटल के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि सीएमओ द्वारा 100 किट उपलब्ध कराया गया था और सभी किटों का उपयोग कर लोगों की जांच किया गया। जांच रिपोर्ट सीएमओ को भेज दिया गया है। डा. वर्मा ने कहा कि किट के माध्यम से लोगों की आसानी से रोगों की जांच हो जाती है और जांच रिपोर्ट के बाद इलाज आसान हो जाता है। मरीजों के लिये ऐसे शिविर बहु उपयोगी है। उन्होने बताया कि शिविर के संचालन में सीएमओ कार्यालय से आये आदित्य कुमार मिश्र, प्रज्ञा पाण्डेय, रेनू यादव और नीतू त्रिपाठी ने सहयोग किया।बताया कि शिविर को सम्पन्न कराने में मुख्य रूप से डा. आर.एन. चौधरी, डा. आलोक रंजन, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. अतुल श्रीवास्तव, लालजी यादव, रितेश चौधरी, मनीष चौधरी, उत्कर्ष दूबे, शिव प्रसाद आदि ने योगदान दिया।

पीआरवी के साथ हल्का प्रभारी और बीपीओ की भी मौजूदगी जरूरी

बस्ती अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को और अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से जनपद पुलिस प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब किसी भी घटना या सूचना पर पीआरवी (पुलिस रेस्पांस वेहिकिल) के पहुंचने पर संबंधित हल्का प्रभारी और बीट पुलिस अफसर (बीपीओ) की घटनास्थल पर मौजूदगी जरूरी कर दी गई है। अक्सर देखने में आता है कि सूचना मिलने पर पीआरवी घटनास्थल पर पहुंचती है, लेकिन कार्यवाई के बाद जैसे ही पीआरवी वापस लौट जाती है, कालर (शिकायतकर्ता) और विपक्षी के बीच दोबारा विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई बार पीआरवी कर्मियों पर आरोप लगते हैं कि उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया या बिना ठोस समाधान किए घटनास्थल से प्रस्थान कर लिया।इन विवादों को रोकने और जनता का पुलिस पर भरोसा कायम रखने के लिए एसपी ने यह नई व्यवस्था लागू की है।

आपरेशन के दौरान प्रसूता के पेट में छोड़ दिया था तौलिया

बस्ती। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश अमरजीत वर्मा, सदस्य अजय प्रकाश सिंह ने गर्भवती महिला के आपरेशन मे लापरवाही बरतने पर चार लाख रुपये दवा खर्च देने का आदेश अस्पताल प्रबंधन को दिया है। पीड़ित को 1.30 लाख रुपये मुआवजा भी देना होगा। डाक्टर की लापरवाही से शिशु की मृत्यु हो गयी थी। महिला के पेट मे तौलिया का टुकड़ा छूट गया था। मुंडेरवा के रानीपुर गांव की सरिता पत्नी कृष्णा ने शिव कुमार त्रिपाठी एडवोकेट के माध्यम से आयोग में परिवाद दाखिल किया। विवरण के अनुसार परिवादी गर्भवती थी। बच्चे के सकुशल जन्म के 14 अगस्त 2021 को शहर के शम्भूनाथ शुक्ला एसएस मेडिकल सेंटर कटेश्वर पार्क के सामने भर्ती हुई। उसी दिन आपरेशन कर बच्चे को बाहर निकाला, नवजात की कुछ ही क्षण में मृत्यु हो गई। प्रसूता को 23 अगस्त 2021 को डिस्चार्ज कर दिया गया। उनको आपरेशन के बाद से ही नाभि के पास दर्द बना रहता था। तीन सितम्बर 2021 को उसी अस्पताल के चिकित्सक डाक्टर लवकुश पटेल को दिखाया। आराम नहीं मिला। कई दूसरे डाक्टर को भी दिखाया गया, जांच कराया गया, अल्ट्रासाउंड कराया गया, आराम नहीं मिला। दवा का असर समाप्त होते ही पीड़ा होने लगती थी। विवश होकर एम्स दिल्ली में 16 दिसंबर 21 को भर्ती हुई। 18 दिसंबर 21 को वहां आपरेशन हुआ तो पीड़िता के पेट से से तौलिया का टुकड़ा निकाला। 27 दिसंबर 21 डिस्चार्ज होकर पीड़िता घर आई। एम्स के डाक्टर ने डिस्चार्ज समरी में पूर्व के डाक्टर के लापरवाही का उल्लेख किया है। मुकदमे मे विपक्षी हाजिर हुए। लापरवाही करने से इनकार किया। दोनों पक्ष की सुनने के बाद आयोग ने लापरवाही के लिए अस्पताल प्रबंधक को जिम्मेदार ठहराया।

सूने घर को चोरों ने बनाया निशाना, नकदी व आभूषण उड़ाए

बस्ती एक सूने घर को निशाना बनाते हुए चोरों ने नकदी समेत लाखों के जेवरात उड़ा ले गए। दुकान बंद कर गृहस्वामी जब देर रात घर पंहुचे तो घर में बिखरे सामानों के देख उनके होश उड़ गए। पैकोलिया क्षेत्र के नगर पंचायत के लक्ष्मी बाई वार्ड निवासी शाहिद हुसैन का नगर पंचायत बभनान के भगत सिंह नगर वार्ड में सिलाई की दुकान हैं। गुरुवार की सुबह वह रोज की भांति अपनी सिलाई की दुकान पर चले गए । जबकि उनका परिवार मंगलवार को ही रिस्तेदार के घर शादी के कार्यक्रम में शामिल होने लखनऊ चला गया था। जिसके चलते गुरुवार को दिन में घर पर कोई मौजूद नहीं था।देर रात जब शाहिद दुकान का काम निपटाकर घर पहुंचे तो देखा कि घर के मेन दरवाजे (चौनल) का ताला कटा मिला। दोनों कमरों में रखें अलमारी का लाक तोड़ दिया गया था, उसमें रखे नकदी व गहने गायब मिले।

जल जीवन मिशन की योजनाओं, सेवा वितरण एवं जल गुणवत्ता व्यवस्था की हुई समीक्षा

चित्रकूट। जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, सेवा वितरण व्यवस्था, जल गुणवत्ता निगरानी, स्रोत स्थायित्व एवं योजनाओं के सतत संचालन की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम पुलकित गर्ग, एडीएम नमामि गंगे स्वप्निल यादव एवं अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण ने प्रतिभाग किया। बैठक की अध्यक्षता अपर सचिव एवं मिशन निदेशक राष्ट्रीय जल जीवन मिशन द्वारा की गई। यह अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक विस्तारित करते हुए अब योजनाओं के निर्माण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत पेयजल योजनाओं की कार्यक्षमता, दीर्घकालिक संचालन, स्रोत स्थायित्व, जल गुणवत्ता निगरानी, शिकायत निस्तारण तंत्र एवं जनसहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए दिशा निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित सुधारों एवं जनपदों से अपेक्षित कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान सुजलम भारत अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों के संचालन, पीएम जनमन एवं डीएजेजीयूए बस्तियों के संतृप्तीकरण, स्रोत स्थायित्व के लिए जिला स्तरीय कार्य योजनाओं एवं नल जल मित्र कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास गतिविधियों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त दिशा बैठकों में जल जीवन मिशन से संबंधित बिंदुओं की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में विशेष रूप से जल गुणवत्ता परीक्षण एवं निगरानी गतिविधियों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जल परीक्षण, जल गुणवत्ता संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा प्रयोगशालाओं एवं फील्ड स्तर की निगरानी प्रणाली को प्रभावी बनाने के निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही जन शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। जिससे ग्रामीण उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जा सके। बैठक के उपरांत डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भारत सरकार एवं राज्य स्तर से प्राप्त दिशा निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करते हुए योजनाओं की कार्य क्षमता, नियमित जलापूर्ति, जल गुणवत्ता परीक्षण, शिकायत निस्तारण एवं सेवा वितरण प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाया जाए।

सर्राफा व्यापारियों के साथ डीएम एसपी ने की बैठक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिले के सर्राफा बुलियन व्यापारियों के साथ बैठक हुई। व्यापारियों से अपील की गई कि जब तक अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियां सामान्य नही हो जाती तब तक सभी व्यापारी सोने के बिस्कुट, ईंट या ठोस सोना न खरीदे न बेचे। सरकार का उद्देश्य बुलियन निवेश को हतोत्साहित करना है। आभूषण निर्माण व बिक्री पर इसका कोई प्रभाव नही पड़ेगा। डिप्टी कमिश्नर जीएसटी विक्रम अजीत ने बताया कि भारत विश्व में सबसे ज्यादा सोने का आयात करता है। जिससे विदेशी मुद्रा भण्डार पर दबाब पड़ता है। उन्होने व्यापारियो की शंकाओं को दूर करतें हुए बताया कि सोने–चॉदी के आभूषण के निर्माण व बिकी पर किसी भी प्रकार की रोक नही है। ग्राहकों से पुरानी ज्वैलरी लेकर उन्हे गला कर आभूषण बना कर बिक्री की जाये, परन्तु ग्राहकों को सोने के बार, बिस्कुट, ईट न बेचे जाये। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने व्यापारियों की समस्याओ को सुना और सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का आश्वासन दिया। व्यापारियों से अपील किया कि अपने प्रतिष्ठानों मे सीसीटीवी कैमरे जरूर लगवाये। बैठक में मौजूद सभी व्यापरियों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि सभी लोग प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के साथ है। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार की इस मुहिम में साथ देगें। इस मौके पर सर्राफा एसोसियेशन की तरफ से राजेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, उदय सोनी, अशोक सोनी, उमेश सोनी, हर्षित अग्रवाल, बाल.ष्ण अग्रवाल, लक्ष्मण सोनी आदि उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा पर रवाना हुए श्रद्धालु, फूल-मालाएं पहनाकर दी गई भावभीनी विदाई

चित्रकूट। चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को शुक्रवार को गल्ला मंडी परिसर में भावपूर्ण विदाई दी गई। इस दौरान परिजनों, समाजसेवियों और शुभचिंतकों ने फूल–मालाएं पहनाकर यात्रियों के सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। विदाई समारोह में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन किया गया।चारधाम यात्रा पर रवाना होने वाले श्रद्धालुओं में गोरेलाल पुत्र रामाधार निवासी बघेलाबारी, ननकी पत्नी खेम सिंह निवासी सिद्धपुर चित्रकूट, रामभरोसा पांडेय पुत्र बालमुकुंद पांडेय निवासी तुर्रा अतर्रा, दीपा देवी पत्नी रामभरोसा पांडेय निवासी तुर्रा अतर्रा, दीपा देवी पत्नी स्वर्गीय बृजकिशोर पांडेय निवासी तुर्रा अतर्रा तथा सावित्री मिश्रा पत्नी अवधेश मिश्रा निवासी तुर्रा अतर्रा शामिल रहीं। गल्ला मंडी परिसर में आयोजित विदाई कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं का फूल–मालाओं से स्वागत किया गया। उपस्थित लोगों ने यात्रियों के सुरक्षित एवं सफल यात्रा की कामना करते हुए धार्मिक जयघोष लगाए। माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर समाजसेवी हीरापति पटेल, गुलजार पटेल, जानकी पटेल, राहुल सिंह, गनेश पटेल, बी.पी. पटेल, इरफान अली, शंकर यादव, गोरेलाल पटेल, धर्मेंद्र पटेल, हिमांशु पटेल, अंकित पटेल, बीरु सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं परिजन उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धालुओं को भावभीनी विदाई देते हुए उनके सकुशल लौटने की कामना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट सुमन सिंह नें की

सुमन सिंह के प्रस्ताव पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर परिसर में होगा 19 करोड़ रुपये का विकास कार्य

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता राज्य महिला आयोग की पूर्व सदस्य सुमन सिंह के प्रस्ताव पर श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर के विकास हेतु पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 19 करोड़ के विकास कार्य कराये जायेंगे। यह जानकारी देते हुये सुमन सिंह ने बताया कि उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पर्यटन मंत्री जय वीर सिंह को श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर क्षेत्र के विकास के लिये प्रस्ताव दिया था। इस पर उप सचिव उत्तर प्रदेश शासन संजीव कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी दिया है कि प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है।भजपा की वरिष्ठ नेता सदस्य सुमन सिंह ने बताया कि श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर पौराणिक मंदिर है। प्रति वर्ष लाखों की संख्या में यहां श्रद्धालु पहुंचते हैं और श्रावण मास में तो पूर्वान्चल के अनेक जनपदों के श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ती है। श्रद्धालुओं की बढती आस्था को देखते हुये संसाधन पर्याप्त नहीं है। इसे देखते हुये उन्होने श्री भद्रेश्वरनाथ मंदिर के विकास हेतु आग्रह किया था। इसकी स्वीकृति से निश्चित रूप से मंदिर क्षेत्र का विकास होगा और श्रद्धालुओं को अति शीघ्र सुविधा मिलेगी। उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि अति शीघ्र निर्माण प्रक्रिया आरम्भ हो जायेगी। सुमन सिंह ने कहा कि जनपद का विकास उनकी प्राथमिकता है और उनके स्तर पर प्रयास निरन्तर जारी है। प्रस्ताव की स्वीकृति पर उन्होने मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री के प्रति आभार जताया है।

दबंग सूदखोर दे रहे हैं पत्नी से वेश्यावृत्ति कराकर बकाया वसूलने की धमकी

बस्ती। दबंग सूदखोरो के चंगुल में फंसे दुबौलिया थाना क्षेत्र के अजय पुत्र दुखरन के समक्ष जीवन मरण का प्रश्न उपस्थित हो गया है। उसने पत्नी के इलाज के लिये मार्च 2025 में नचना गुलौरी बुजुर्ग, थाना दुबौलिया निवासी सुड्डू दूबे से 20 हजार रूपये लिया था, वह 46 हजार रूपया वापस भी कर चुका है किन्तु दबंग सूदखोर एक लाख रूपये की और मांग कर रहे हैं। न देने पर उसे घर से उठवा लेने, पत्नी को बंधक बनाकर देह व्यापार कराकर रूपया वसूलने की धमकी दे रहे है। अजय ने एसपी को रजिस्टर्ड पत्र देकर अपने परिवार के जान माल की रक्षा, दबंग सूदखोरों से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाया है।एसपी को दिये पत्र में अजय ने कहा है कि रूपया देते समय सुड्डू दूबे ने कहा था कि 20000 में कुछ रूपया मिलाकर मुझे दे दीजिएगा । धीरे धीरे करके वह सुड्डू दूबे को 46000 रूपया दे चुका है। सुड्डू दूबे व गांव के भीम सिंह उर्फ किशन चन्द्र सिंह पुत्र स्व० रमाकान्त सिंह जो सुड्डू दूबे के साथ ब्याज पर रूपया देने का कार्य करते है दोनो ने मिलकर पिछले तीन महीने से लगातार उससे एक लाख रूपया की मांग कर रहे है और रूपया न देने पर उसकी पत्नी को धमकी देते है कि यदि तुम्हारे पति रूपया वापस नही किया तो तुमको घर से उठा ले जाऊँगा व देह व्यापार करवा करके रूपया वसूल लूगा। वह रोजी रोजगार के सिलसिले से दिल्ली चला गया था । 12 अप्रैल 2026 को वह अपने गाव आया तो सुड्डू व भीम सिंह उसे उठाकर अपने घर ले गये और बन्धक बना लियो, लाठी डण्डा, लात मूका घूसा से मार पीट कर सुड्डू दूबे के घर में बन्द कर दिया । उसकी 7 माह की गर्भवती है उसको अपने घर में बुलाकर धमका कर कई विडियो भी बना लिया है। विडियो बनाते समय प्रार्थी व सुड्डू दूबे, भीम सिंह उपस्थित थे तथा भीम सिंह ने ही अपने मोबाइल से वीडियो बनाकर दिखाया और कहा कि तुम दो माह के अन्दर रूपया नही दोगे तो तुमको जान से हाथ धोना पड़ेगा। उसने अपने पत्नी का कुछ सोने का जेवरात उपरोक्त लोगो को दे दिया तब उसके बावजूद वे नहीं मान रहे है और एक लाख रूपया की मांग कर रहे है। सुड्डू दूबे व भीम सिंह काफी मनबढ व दबंग तथा अपराधिक किस्म के व्यक्ति है इन लोगो के विरूद्ध जनपद के थानो में आपराधिक मुकदमें दर्ज है जिसके कारण समाज में इन लोगो का भय व आतंक बना हुआ है।

जनगणना ड्यूटी में हुई अनियमितताओं को लेकर शिक्षकों ने किया एसडीएम हर्रैया कार्यालय का घेराव

बस्ती। जनगणना ड्यूटी में हुई अनियमितताओं के सवाल को लेकर हजारों अध्यापकों ने एसडीएम कार्यालय हर्रैया का घेराव किया । घेराव के बाद एसडीएम हर्रैया धरना स्थल पर आए उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी का सुधार कर देंगे बाद में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भी पहुंचे उन्होंने कहा की सभी शिक्षकों का उनके विद्यालय या विद्यालय सेवित क्षेत्र में ड्यूटी लग जाएगी । संज्ञान में आया है कि तहसील कर्मचारियों द्वारा गलत तरीके से ड्यूटी लगाई जा रही है यदि सुधार नहीं किया गया तो शनिवार को पुनः एसडीएम कार्यालय पर दिन में 10 बजे से धरना दिया जायेगा।

अनुशासन, फिटनेस को लेकर दिए निर्देश

बस्तीरू पुलिस अधीक्षक डा.यशवीर सिंह ने पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल की शारीरिक दक्षता, अनुशासन और वर्दी की गरिमा की परख की। परेड के बाद एसपी ने जवानों को कर्तव्यनिष्ठ रहने और जनता के साथ बेहतर व्यवहार करने के कड़े निर्देश दिए। पुलिस कर्मियों के अनुशासन और चुस्ती–फुर्ती पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने पुलिसकर्मियों की टर्न–आउट (वर्दी और उपकरणों की स्थिति) की जांच की।मेस में बन रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की और मेस के प्रभारी को सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि पुलिस बल का टर्न–आउट ही उसकी पहली पहचान है, जिसे हमेशा दुरुस्त और मानक के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने मातहत अधिकारियों को निर्देश दिए कि परेड में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी जवानों को निरंतर शारीरिक प्रशिक्षण (पीटी) में सक्रिय रहना अनिवार्य है।

जनगणना ऐप लॉगिन न होने से परेशानी: एसडीएम से मिला शिक्षकों का प्रतिनिधि मण्डल

बस्ती। जनगणना ड्यूटी की अनियमितताओं की समस्या को लेकर जनपद के बस्ती सदर, हार्रेया, भानपुर में पहले से ही शिक्षक लामबंद हो रहे थे वहीं रूधौली तहसील अंतर्गत नियुक्त जनगणना प्रगणक, व सुपर वाइजर विभाग द्वारा एचएलओ ीसव ऐप पर लॉगिन होने की समस्या से जूझ रहा है। दोपहर होते होते रूधौली ब्लॉक के शिक्षक संघ अध्यक्ष रजनीश मिश्र के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमण्डल ने उप जिलाधिकारी रूधौली से मिलकर जनगणना ऐप में आ रही तकनीकी समस्याओं से अवगत कराया जिस पर एस डी एम ने इस तकनीकी समस्या को लखनऊ से ठीक कराने हेतु अगले चौबीस घंटे में समस्या समाधान कि बात कही ।प्रतिनिधिमण्डल में योगेश्वर शुक्ल, अमरेश द्विवेदी, सुशील उपाध्याय, शिप्रा चौधरी, विजय नायक, गौरव द्विवेदी, शिव शंकर, उमाशंकर सिंह शिवेंद्र सिंह, तुलसीराम सहित भारी मात्रा में शिक्षक शिक्षा मित्र व अनुदेशक उपस्थित रहे।

एडीएम ने ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर जाकर कराया निस्तारण

चित्रकूट। एडीएम न्यायिक अरुण कुमार की अध्यक्षता में विकासखण्ड कर्वी की ग्राम पंचायत बराछ में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये विकास कार्यों की समीक्षा की गयी तथा ग्रामीणो की समस्याओ का मौके पर निस्तारण किया गया। चौपाल में उपस्थित ग्राम सचिव द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था पेशन योजना आदि योजनाओ के बारे में ग्रामवासियों को बताया गया। ग्रामीणो द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्राम में पानी की समस्या हो रही है। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि जल जीवन मिशन से वार्ता कर तत्काल पानी की समस्या को दूर कराना सुनिश्चित करें। जिससे जन मानस को पर्याप्त जल की उपलब्धता हो सकें।

मंडौर गौशाला की सीडीओ ने देखी व्यवस्था

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने विकासखण्ड मऊ के ग्राम पंचायत मण्डौर की गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान ओम प्रकाश यादव खण्ड विकास अधिकारी मऊ एवं उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, अजय पाल सिंह सहायक विकास अधिकारी व ग्राम प्रधानपति मौजूद रहे। गौशाला में लगभग 15 से 20 गोवंश संरक्षित पाए गए। कोई भी केयरटेकर मौके पर उपस्थित नही था। प्रधानपति द्वारा अवगत कराया गया कि अन्य गोवंशों को गर्मी से बचाव के लिए छायादार बगीचे पर चरवाहों के माध्यम से ले जाया गया हैं। भूसा घर अपूर्ण मिला। जिसे तत्काल पूर्ण कराने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिए। लगभग 50 से 60 कुन्टल भूसा पाया गया। गर्मी से बचाव के लिए छप्पर बनाये गये हैं किन्तु आंधी के कारण आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त पाये गये, जिन्हे तत्काल दुरूस्त कराने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को प्रदान किये गये। गौशाला प्रांगड में काफी जगह खाली है। जिस पर पीपल, बरगद एवं पाकड़ के वृक्ष लगाये जाने के निर्देश दिये गये।

एक सप्ताह में बैंक निस्तारित करें पीएम सूर्यघर के लंबित आवेदन : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में पीएम सूर्यधर योजना के संबंध में समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिसमें परियोजना अधिकारी नेडा द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान वित्त वर्ष 2026–27 में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम है। जनपद में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष आवेदन के रजिस्ट्रेशन पर्याप्त संख्या में हो रहे हैं परंतु बैंकों को प्रेषित किए गए आवेदनों में बैंक द्वारा समय से उनका निस्तारण न करने के कारण 305 आवेदन विभिन्न बैंक शाखों में लंबित पड़े हुए है। इस पर डीएम ने उपस्थित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के भीतर लंबित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए अगली बैठक मे अनुपालन प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार विद्युत विभाग मे विभिन्न स्तरों पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा में अधिशासी अभियन्ता विद्युत एवं राजापुर को निर्देश दिए गए कि समयांतर्गत निरीक्षण कर निर्धारित समय में मीटर वेरिफिकेशन कराकर उपभोक्ताओं को योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी रजनीश कुमार पांडेय, सीडीपी सोलर सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक सहित संबंधित बैंकर्स और वेंडर मौजूद रहे।

26 मई को चित्रकूट पहुचेगी गौ रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा

चित्रकूट। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गो रक्षार्थ ध र्मयुद्ध यात्रा 26 मई को धर्मनगरी पहुंचेगी। गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर तीन मई से निकली यह यात्रा 24 जुलाई को लखनऊ में संपन्न होगी। जिले में चार स्थानों पर यात्रा का आंशिक विश्राम होगा। शुक्रवार को सत्संग भवन में यात्रा के बुंदेलखंड प्रभारी चंद्रशेखर अवस्थी व राहुल द्विवेदी ने बताया कि यात्रा में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद स्वयं मौजूद रहेंगे।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, चचेरा भाई घायल

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के कौहारी गांव के पास ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो चचेरे भाई घायल हो गए। एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। शाहपुर निवासी रामभवन ने बताया कि कौहारी के बुद्धका पुरवा निवासी भांजा अखिलेश कुमार (24) चचेरे भाई सोनू (14) के साथ बाइक से पहाड़ी सब्जी लेने जा रहा था। गांव के बाहर सामने से आए ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। दोनों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया। अखिलेश को जबलपुर ले गए, जहां शुक्रवार सुबह मौत हो गई। दो भाई, दो बहन में वह बड़ा था। हाल ही में पिकअप खरीदकर परिवार पाल रहा था। थाना प्रभारी निशीकांत राय ने पोस्टमार्टम कराया है।

मोड़ पर फिसली बाइक, तीन दोस्त घायल, एक गंभीर

चित्रकूट। दर्शन करने जा रहे तीन दोस्तों की बाइक शुक्रवार सुबह अनुसुइया मोड़ पर फिसल गई। बहिलपुरवा के बडी मडैय्यन निवासी शिवा कुमार (26) ने बताया कि वह दोस्त विमल चंद्र (25) व उमाशंकर (21) के साथ चित्रकूट आ रहा था। अनुसुइया मोड़ पर सामने से आए वाहन से बचने में विमल का संतुलन बिगड़ा। बाइक समेत तीनों गिर पड़े। पीछे आ रहे दोस्त उमाशंकर ने पुलिस को सूचना देकर जिला अस्पताल पहुंचाया। विमल की हालत गंभीर बताई गई है।

ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादन का कृषि वैज्ञानिकों ने किया परीक्षण

चित्रकूट। डीएम के मार्गदर्शन में .षि विज्ञान केन्द्र गनीवा द्वारा ग्रीष्मकालीन दलहन उत्पादन परियोजना के अन्तर्गत बरगढ़ क्षेत्र के कोल मजरा गाँव में महिला .षक समूह की 14 महिला सदस्यों को पहली बार जायद ऋतु में मूंग उत्पादन के लिए बीज उपलब्ध कराया गया था। शुक्रवार को केवीके गनीवा की वैज्ञानिक टीम ने ग्राम कोल मजरा पहुंचकर महिला .षकों के प्रक्षेत्रों पर खड़ी मूंग फसल का निरीक्षण किया। टीम ने फसल की बढ़वार, कीट–रोग प्रबंधन एवं सिंचाई संबंधी आवश्यक तकनीकी जानकारी महिला .षकों को दी। इस अवसर पर महिला .षकों की उपस्थिति में मूंग खेत दिवस का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने बताया कि गर्मी में मूंग की खेती से न केवल भूमि की उर्वरता बढ़ती है, बल्कि महिला किसानों को अतिरिक्त आय भी प्राप्त होगी। जायद में मूंग उगाने वाली महिला .षकों ने बताया कि केवीके के मार्गदर्शन से फसल बहुत अच्छी है और इससे उनमें खेती के प्रति नया उत्साह जगा है।

भीषण गर्मी में अनोखी व्यवस्था से चर्चा में है सदगुरु गौशाला

चित्रकूट। भीषण गर्मी में जहां लोग राहत पाने के लिए झरनों और वाटर फॉल का सहारा ले रहे हैं वहीं धर्मनगरी की श्री सदगुरू गौशाला इन दिनों अपनी अनोखी व्यवस्था को लेकर चर्चा में है। यहां रहने वाले गौवंशों की देखभाल किसी आम पशु की तरह नहीं बल्कि परिवार के सदस्य की तरह की जा रही है। सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा संचालित हाईटेक गौशाला में गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। जिनका लाभ करीब 13 सौ गौवंश उठा रहे हैं। बता दे कि चित्रकूट स्थित सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट की यह गौशाला लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां भीषण गर्मी में गौवंशों को राहत देने के लिए आधुनिक शॉवर सिस्टम लगाया गया है। इस व्यवस्था के तहत गायों को समय–समय पर स्नान कराया जाता है। जिससे उन्हें तेज धूप और उमस से राहत मिलती है। इंसानों की तरह ठंडे पानी के शॉवर से नहलाए जाने के कारण गौवंश काफी आराम महसूस करते हैं। गौशाला में केवल स्नान की ही व्यवस्था नहीं है, बल्कि साफ–सफाई, पीने के स्वच्छ पानी और ठंडी हवा के लिए पंखों की भी विशेष व्यवस्था की गई है। गौवंशों के रहने के स्थानों पर बड़े टीन शेड बनाए गए हैं ताकि सीधी धूप का असर उन पर न पड़े। श्री सदगुरु गौ सेवा केंद्र की अध्यक्ष ऊषा जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट 30 वर्षों से लगातार गौसेवा का कार्य कर रहा है। वर्तमान में यहां लगभग 13 सौ गौवंशों की देखभाल की जा रही है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के डायरेक्टर स्व पद्मश्री डॉ. बीके जैन ने अपने जीवनकाल में गौसेवा को हमेशा प्राथमिकता दी और दिन–रात इसके लिए कार्य किया। उन्हीं की प्रेरणा से ट्रस्ट लगातार गौवंशों के लिए नई सुविधाएं विकसित कर रहा है।

सुबह सात से दस बजे तक लगेगी जन चौपाल

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने जानकारी देते हुए बताया कि माह जुलाई तक आयोजित होने वाली समस्त ग्राम चौपालों का आयोजन प्रातः सात से पूर्वान्ह दस बजे तक ही किया जायेगा। जिससे आमजन एवं अधिकारियों, कर्मचारियों को अत्यधिक गर्मी से राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि ग्राम चौपाल समाप्त होने के उपरान्त सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने–अपने कार्यालयों में समय से उपस्थित होकर जनसुनवाई कार्य को प्राथमिकता के साथ संपादित करना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये तथा किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये।

देवांगना पहाड़ में लगी आग पर पूर्ण नियंत्रण

चित्रकूट। एयरपोर्ट कर्वी के समीप स्थित देवांगना पहाड़ क्षेत्र में लगी ग्राउंड फायर की घटना पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए समय रहते पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया। डीएम एवं एसपी के निर्देशन में पुलिस, फायर ब्रिगेड, वन विभाग, राजस्व विभाग आदि टीमों द्वारा युद्ध स्तर पर राहत एवं नियंत्रण कार्य संचालित किया गया। समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप आग को फैलने से रोकते हुए स्थिति को पूर्णतः नियंत्रित कर लिया गया। अभियान में मुख्य अग्निशमन अधिकारी कर्वी, उप जिलाधिकारी कर्वी, क्षेत्राधिकारी कर्वी, एयरपोर्ट की अग्निशमन टीम, विशेष सुरक्षा बल तथा वन विभाग की टीम का विशेष एवं योगदान रहा।

ग्राम चौपाल में सीडीओ ने सुनी समस्याएं

चित्रकूट। शासन के मंशानुरूप जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए शुक्रवार को विकासखंड मऊ के अंतर्गत ग्राम पंचायत कटैया डाडी में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन संपन्न हुआ।चौपाल में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को जन कल्याणकारी एवं स्वरोजगारपरक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। सीडीओ ने प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त संदर्भों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने के कड़े निर्देश दिए। निस्तारण में शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। अधिकारी मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करें और पीड़ित को पूर्ण न्याय सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर खंड विकास अधि ाकारी मऊ ओमप्रकाश यादव, ग्राम प्रधान उर्मिला देवी आदि अधिकारी व सचिव मौजूद रहे।

15 जून तक आंगनबाडी केन्द्रो में बच्चों की उपस्थिति पर रहेगी छूट

चित्रकूट। जिला कार्यकम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा ने बताया कि जनपद में अत्यधिक गर्मी व लू का प्रकोप प्रभावी होने एवं आगामी दिनों में तापमान के और बढ़ने की सम्भावना के .ष्टिगत डीएम के अनुमोदन के क्रम में 20 मई से 15 जून तक आंगनबाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को उपस्थिति से छूट रहेगी। उन्हें बुलाया नहीं जाएगा, परन्तु सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं निर्धारित समय से आंगनबाड़ी केंद्र में उपस्थित रहेंगी और पोषण ट्रैकर में डाटा फीडिंग, एफआरएस से पोषाहार वितरण व अन्य कार्यों को सम्पादित करेंगी। इस अवधि में जो बच्चे स्वयं उपस्थित होंगे उनके लिए निर्धारित शिड्यूल्ड के अनुसार ईसीसीई गतिविधियां संचालित कराई जायें।

वेटकेश्वर अयर को ड्राप मत करना, आईपीएल फाइनल से पहले विरेन्द्र सहवाग ने आरसीबी को दिया गुरुमंत्र

पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल प्लेऑफ से पहले आरसीबी की प्लेइंग एक्सआई को लेकर एक साहसिक सुझाव दिया है, जिसमें उन्होंने फिल साल्ट की वापसी पर वेंकटेश अय्यर को टीम में बनाए रखने की वकालत की है। सहवाग का मानना है कि अय्यर के हालिया दमदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें ड्रॉप करने के बजाय जितेश शर्मा को बाहर किया जाना चाहिए।पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल 2026 में सीमित मौकों पर वेंकटेश अय्यर के दमदार प्रदर्शन के बाद उनका समर्थन किया है। अय्यर ने इस सीजन में खेले गए 14 मैचों में सिर्फ चार बार बल्लेबाजी की है और ज्यादातर समय आरसीबी प्रबंधन ने उन्हें आपातकालीन स्थिति में ही बल्लेबाजी करने का मौका दिया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में आरसीबी 125 रन पर लड़खड़ा रही थी और उसे एक मजबूत अंत की जरूरत थी, तभी अय्यर को एक इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में मैदान पर उतारा गया। अय्यर ने 15 गेंदों में 29 रन बनाकर आरसीबी को 201 रन पर 8 के स्कोर तक पहुंचाया, हालांकि उनकी टीम जीत नहीं सकी।हालांकि, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अब तक दो और प्रभावशाली पारियां खेली हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ कप्तान रजत पाटीदार के आउट होने पर उन्हें फिर से आपातकालीन स्थिति में बल्लेबाजी करने का मौका दिया गया, जहां उन्होंने 40 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। चोटिल जैकब बेथेल की जगह ओपनिंग करते हुए उन्होंने एक बार फिर दमदार प्रदर्शन किया और 19 गेंदों में 44 रन बनाकर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।हालांकि, फिल साल्ट की टीम में वापसी के बाद, उनकी प्रभावशाली पारियों को देखते हुए उन्हें तुरंत टीम में शामिल किए

जाने की संभावना है। साल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था और उंगली की चोट के कारण अगले सभी मैच नहीं खेल पाए थे। उनकी अनुपस्थिति में बेथेल ने ओपनिंग की, लेकिन वे कुछ खास कमाल नहीं कर पाए। अब अय्यर ने क्रिकेट विशेषज्ञों को प्रभावित किया है, और साल्ट के आने के बाद सहवाग का मानना घ्है कि अय्यर को टीम से बाहर नहीं किया जाना चाहिएय बल्कि जितेश शर्मा को इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अय्यर के लिए जगह बनानी चाहिए। सहवाग ने जियोस्टार पर कहा कि वेंकटेश अय्यर शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने केकेआर के लिए इसी क्रम में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारियां खेली हैं।

बिहार का आईपीएल का सपना होगा पूरा? अनिल अग्रवाल की अपील पर सीएम सम्राट का बड़ा ऐलान

वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की अपील के बाद बिहार की अपनी आईपीएल टीम की मांग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार इस संबंध में एक सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे राज्य के क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। बिहार को अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम मिलने की संभावना तब और बढ़ गई जब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वेदांता समूह के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल की राज्य के लिए एक समर्पित क्रिकेट टीम की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। चौध ारी ने कहा कि राज्य सरकार बिहार में क्रिकेट को मजबूत करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इस चर्चा में भारतीय क्रिकेट में बिहार के बढ़ते योगदान पर प्रकाश डाला गया, विशेष रूप से आईपीएल सितारों की नई पीढ़ी और राज्य के घरेलू खिलाड़ियों के माध्यम से।बिहार में क्रिकेट टीम बनाने की अग्रवाल की भावुक अपील के जवाब में, चौधरी ने ग पर लिखा कि सरकार भी यही सोच रखती है और सामूहिक सहयोग से एक सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे पूरी तरह सहमत हूँ। बिहार के क्रिकेट प्रेम को देखते हुए सरकार एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ पूरी लगन से काम कर रही है। आपके सहयोग से बिहार क्रिकेट टीम के संबंध में निश्चित रूप से एक सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। अग्रवाल ने जवाब में इस पहल को अपना पूरा समर्थन और सहयोग दिया और बिहार की खेल प्रतिभाओं की सफलता की कामना की।सम्राट चौधरी के ट्वीट के बाद बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने भी इस मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि कल सुबह अनिल अग्रवाल ने एक ट्वीट के माध्यम से देश और बिहार के लोगों के सामने अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी इस पहल का स्वागत किया है... हमारा बुनियादी ढांचा अब पूरी तरह से तैयार है और हम इंडियन प्रीमियर लीग हो या

कोई अन्य बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट, किसी भी प्रकार की प्रमुख क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने में सक्षम हैं। अगर अनिल अग्रवाल जैसे एक प्रमुख उद्योगपति बिहार के लिए एक आईपीएल टीम बनाने के बारे में सोचते हैं, जिसके बैनर तले बिहार के क्रिकेट खिलाड़ी खेल सकें, तो मेरा मानना घ्है कि यह न केवल मेरा बल्कि बिहार के हर व्यक्ति का सपना सच हो रहा है। इससे पहले, अग्रवाल ने सवाल उठाया था कि कई नामी क्रिकेटरों को जन्म देने के बावजूद बिहार को क्रिकेट के क्षेत्र में वह पहचान और मान्यता क्यों नहीं मिली है जो चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी आईपीएल फ्रेंचाइजी वाले राज्यों को प्राप्त है। उन्होंने ट्वीट किया कि क्या आपको नहीं लगता कि बिहार भी चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स की तरह अपनी एक बेजोड़ टीम का हकदार है?

सनराइजस की जीत के हीरो इशान किशान, बोले-पैंट कमींग के आने से आत्मविश्वास बढ़ा

आईपीएल 2026 के एक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी को 55 रनों से हराया, जिसमें ईशान किशन 79 रनों की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने। मैच के बाद किशन ने टीम की सफलता का श्रेय कप्तान पैट कमिंस की बेहतरीन लीडरशिप और सपोर्ट स्टाफ को दिया। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आईपीएल 2026 के अपने आखिरी लीग मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 55 रनों से हराया और ईशान किशन ने उस मैच में निर्णायक पारी खेली। किशन को 46 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 79 रनों की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनकी तेज पारी की बदौलत एसआरएच ने 255ध्4 का स्कोर खड़ा किया। अपना प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार प्राप्त करने के बाद किशन ने कहा कि मैं इससे बहुत खुश हूं, एक समय में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं। जब मैं उनके (आरसीबी) खिलाफ

खेलता हूं तो मुझे आत्मविश्वास महसूस होता है। परिपक्वता से ज्यादा महत्वपूर्ण है शॉट सिलेक्शन।किशन ने कहा कि आपको आत्मविश्वास महसूस करना होगा। पहले दिन से ही हमने यही लक्ष्य रखा था कि हमें शीर्ष दो में जगह बनानी है। पैट का आना, जो सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं, उनका होना बहुत अच्छा है। हमें लय में बनाए रखने के लिए सभी को श्रेय जाता है। बस इसे सरल रखें, मैदान पर आनंद लेना जरूरी है। मुझे इसका श्रेय सपोर्ट स्टाफ और पैट कमिंस को देना होगा। 256 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, वेंकटेश अय्यर ने मात्र 19 गेंदों में 44 रन बनाकर आरसीबी की पारी को शानदार शुरुआत दी। रजत पाटीदार ने अर्धशतक बनाया, जबकि क्रुणाल पांड्या ने 31 गेंदों में नाबाद 41 रन बनाकर योगदान दिया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत की रेखा तक नहीं पहुंचा सके।ईशान मलिंगा ने दो विकेट लिए, जबकि ट्रैविस हेड और साकिब हुसैन ने एक–एक विकेट हासिल किया। 21 वर्षीय हुसैन ने विराट कोहली का विकेट लिया और इसे अपना श्ड्रीम विकेटश बताया। मैच के बाद हुसैन ने कहा कि मेरी योजना विकेट को समझना और उसी के अनुसार गेंदबाजी करना थी। यह मेरा ड्रीम विकेट है (मुस्कुराते हुए)। हमने धीमी गेंदें फेंकने की योजना बनाई थी। मैं बस अपनी क्षमता के अनुसार सुधार करने की कोशिश करता हूं। हम अपना 100: देंगे और उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इससे पहले, एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा (22 गेंदों में 56 रन), हेनरिक क्लासेन (24 गेंदों में 51 रन) और ईशान किशन (46 गेंदों में 79 रन) के अध शतकों की मदद से 255 रन (4 विकेट) बनाए।

आईपीएल छोड़ो और ईग्लैंड की फ्लाइट पकड़ो..., माइकल वान ने प्लेआफ से पहले आरसीबी के स्टार बल्लेबाज को क्यों दी ये सलाह?

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने आरसीबी के बल्लेबाज जैकब बेथेल को तुरंत आईपीएल छोड़ने की सलाह दी है, क्योंकि वह चोटिल हैं और प्लेइंग इलेवन से बाहर हैं। वॉन का मानना है कि बेथेल को प्लेऑफ में बेंच पर बैठने के बजाय इंग्लैंड लौटकर न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए।इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने जैकब बेथेल से आग्रह किया है कि अगर उन्हें शेष मैचों के लिए पहली पसंद का विकल्प नहीं चुना जाता है, तो वे रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु कैंप छोड़कर इंग्लैंड लौट जाएं। इससे पहले, एलिस्टेयर कुक ने भी इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए सुझाव दिया था कि बेथेल को अपने क्रिकेट कौशल को निखारने के लिए घर लौट जाना चाहिए। वॉन की यह टिप्पणी तब आई जब बेथेल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के अंतिम लीग मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। आरसीबी के कप्तान

रजत पाटीदार ने टॉस के समय घोषणा की कि बेथेल उंगली की चोट के कारण बाहर हैं, और पाटीदार खुद उनके स्थान पर प्लेइंग इलेवन में वापस आ गए हैं।बेथेल ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के लिए अपने शानदार प्रदर्शन के बाद आईपीएल 2026 में काफी उम्मीदों के साथ प्रवेश किया था। हालांकि, यह युवा खिलाड़ी टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाया है और नौ मैचों में सिर्फ 163 रन ही बना पाया है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए यह अभियान काफी मुश्किल भरा रहा है। इंग्लिश बल्लेबाज उंगली में चोट के कारण 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी के आखिरी लीग चरण के मैच से भी बाहर हो गए थे। उनकी अनुपस्थिति के कारण आरसीबी को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना पड़ा, जिसमें वेंकटेश अय्यर ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की, जबकि फ्रेंचाइजी प्लेऑफ के लिए साथी इंग्लिश खिलाड़ी फिल साल्ट की वापसी का इंतजार कर रही थी। कप्तान रजत पाटीदार उंगली की चोट से उबरने के बाद प्लेइंग इलेवन में वापस लौटे। इंग्लैंड 4 जून को न्यूजीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत करने जा रहा है। वॉन का मानना घ्है कि अगर बेथेल के नॉकआउट चरण में खेलने की संभावना कम है, तो उन्हें आरसीबी के साथ रहने के बजाय अपनी रिकवरी और राष्ट्रीय टीम के प्रति कर्तव्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। क्रिकबज पर बोलते हुए वॉन ने कहा कि अगर जैकब बेथेल घायल हैं, तो उन्हें अगली फ्लाइट से इंग्लैंड वापस आ जाना चाहिए। इंग्लैंड 4 जून को टेस्ट मैच खेल रहा है, इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि मैच से पहले इंग्लैंड उनकी फिटनेस की जांच कर ले, ताकि पता चल सके कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए फिट हैं या नहीं। मुझे लगता है कि उनके लिए ब्रिटेन वापस आकर अपनी फिटनेस की जांच कराना बेहतर होगा। वॉन ने युवा क्रिकेटरों के लिए आईपीएल के अनुभव के महत्व को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि इंग्लैंड की तैयारियों को अब प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

हैदराबाद की विशाल जीत पर भारी पड़ी बेंगलुरु की रणनीति, हारकर भी टाप पर बेंगलुरु,

सनराइजर्स हैदराबाद ने शुकवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में 55 रन से जीत हासिल की लेकिन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने से नहीं रोक सकी।आईपीएल (प्च्स्) के एक बेहद रोमांचक और हाई–स्कोरिंग मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (ैत्भ्) ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (त्ब्ठ) को 55 रनों से मात दे दी। हालांकि, रनों के इस महासंग्राम में बाजी हारकर भी बेंगलुरु की टीम बाजीगर साबित हुई। हैदराबाद के विशाल स्कोर के सामने आरसीबी ने चतुराई भरी बल्लेबाजी की बदौलत अंक तालिका (च्वपदजे ज्ंइसम) में अपना शीर्ष (नंबर–1) स्थान और क्वालीफायर–1 का टिकट सुरक्षित कर लिया। अब पहले क्वालीफायर मुकाबले में 26 मई को धर्मशाला में आरसीबी का सामना गुजरात टाइटन्स से होगा, जबकि तीसरे स्थान पर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 27 मई को एलिमिनेटर मुकाबला खेलेगी।सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अभिषेक शर्मा (56 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी, ईशान किशन (79 रन) के बेखौफ अंदाज और हेनरिक क्लासेन (51 रन) की ताकतवर हिटिंग की बदौलत चार विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा करने में कामयाब रही। आरसीबी को शीर्ष दो में रहने के लिए 166 रन का स्कोर बनाना था और 178 रन से ज्यादा रन का स्कोर बनाने से उसका शीर्ष स्थान तय था। कप्तान रजत पाटीदार (56 रन) और कृणाल पंड्या (नाबाद 41) के बीच चौथे विकेट के लिए 58 गेंद में 84 रन की भागीदारी से आरसीबी ने 20 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बनाकर हारने के बावजूद पहला स्थान सुनिश्चित किया।आरसीबी (प्लस 0.783), गुजरात टाइटन्स (प्लस 0.695) और सनराइजर्स हैदराबाद (प्लस 0.524) के 18–18 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट से क्रमशरू पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अब पहले क्वालीफायर में आरसीबी का सामना 26 मई को धर्मशाला में गुजरात टाइटन्स से होगा। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद 27 मई को एलिमिनेटर में खेलेगी।आरसीबी ने पावरप्ले में तूफानी शुरूआत की और जैकब बेथेल की अनुपस्थिति में इस सत्र में पहली बार पारी का आगाज करने उतरे वेंकटेश अय्यर (19 गेंद में 44 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी की बदौलत चार ओवर में 57 रन बना लिए थे। पांचवें ओवर में ईशान मलिंगा (33 रन देकर दो विकेट) ने वेंकटेश की पारी समाप्त की जिनका कैच अभिषेक शर्मा ने लिया जबकि विराट कोहली (15 रन) छठे ओवर में साकिब हुसैन की गेंद पर कवर पर आर स्मरण के हाथों लपके गए। लेकिन तब तक आरसीबी ने छह ओवर में दो विकेट गंवाकर 75 रन बना लिए थे।देवदत्त पडिक्कल (21 रन) भी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और मलिंगा की गेंद पर डीप मिडविकेट पर अभिषेक के हाथों लपके गए। दस ओवर बाद आरसीबी का स्कोर तीन विकेट पर 100 रन था। पाटीदार और कृणाल ने टीम को 16.4 ओवर में 166 रन तक पहुंचाकर शीर्ष दो में रहना सुनिश्चित किया। अगले ओवर में पाटीदार ने एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया।पाटीदार को ट्रेविस हेड (एक ओवर में सात रन देकर एक विकेट) ने आउट किया। जिसके बाद कृणाल और टिम डेविड (नाबाद 15 रन) ने टीम को 200 रन तक पहुंचाया। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने घरेलू मैदान पर हर हाल में आक्रामक बल्लेबाजी करने की अपनी रणनीति को बरकरार रखा। अभिषेक (22 गेंद) ने जहां एक बार फिर 20 गेंद में अध शतक जड़ा तो वहीं उप–कप्तान किशन ने सटीक टाइमिंग और चतुर बल्लेबाजी से गैप ढूंढकर महज 44 गेंद में तूफानी पारी

खेली।तीसरे नंबर से नीचे बल्लेबाजी करने वाले सभी टीमों के बल्लेबाजों में सबसे निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी क्लासेन (24 गेंद) ने जोश हेजलवुड जैसे विश्व–स्तरीय गेंदबाज की गेंदों को मनमुताबिक खेला। उन्होंने हेजलवुड के तीसरे ओवर (पारी का 13वां ओवर था) में 27 रन बटोरे जिससे टीम ने सुनिश्चित कर लिया कि बल्लेबाजी के लिए एकदम सपाट पिच पर वे 250 रनों के आंकड़ा पार कर लेंगे। किशन और क्लासेन ने तीसरे विकेट के लिए 48 गेंद में 113 रन की साझेदारी निभाई।पर इसकी शुरुआत अभिषेक ने की, उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को उनके पहले स्पेल में पूरी तरह बेअसर कर दिया। उन्होंने भुवनेश्वर की एक गेंद को बड़ी खूबसूरती से लांग ऑफ के काफी बाहर से ऊपर उठाकर अपना पहला छक्का जड़ा। भुवनेश्वर को उन्होंने कोई मौका नहीं दिया और लगातार दो गेंदों पर उन्हें स्क्वायर–लेग के ऊपर से और दूसरी बार डीप मिड–विकेट के ऊपर से फ्लिक किया। रोमारियो शेफर्ड की गेंदों से दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज को कोई परेशानी होने की उम्मीद नहीं थी, और ऐसा हुआ भी नहीं। उन्होंने शेफर्ड की गेंदों पर सीधे दो छक्के जड़े, जबकि सुयश शर्मा की गेंद को भी उन्होंने बिना ज्यादा फुटवर्क के ही हवा में ऊपर तक पहुंचा दिया। एक तरफ जहां किशन ने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और वैसी ही निरंतरता दिखाई जिसकी उम्मीद उनके जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी से की जाती है, वहीं क्लासेन की तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे। क्लासेन अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलते हैं, लेकिन फ्रेंचाइजी क्रिकेट की दुनिया में वह सबसे ज्यादा भरोसेमंद खिलाड़ी बन गए हैं। आरसीबी के गेंदबाजों ने किशन के पैड्स पर गेंदें डालकर गलती की जिससे उन्हें मनमुताबिक हाथ खोलने का मौका मिल गया। वहीं क्लासेन को न तो सीधी गेंदों से कोई परेशानी हुई और न ही उनके लिए फेंकी गई वाइड गेंदों से।

उन्होंने जिस तरह हेजलवुड की गेंदों को धुना, वह रजत पाटीदार की रणनीति को ध्वस्त करने के लिए काफी था। नीतिश रेड्डी ने 12 गेंद में नाबाद 29 रन बनाकर पारी को शानदार अंदाज में खत्म किया। सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने कुल 20 चौके और 16 छक्के जड़े।

आईपीएल के बीच भारतीय स्टार ने किया संन्यास का ऐलान,

भारतीय ऑलराउंडर विजय शंकर ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिसका मुख्य कारण विदेशों में नए अवसर तलाशना है। अपने बयान में, 2019 विश्व कप टीम के सदस्य शंकर ने अपने करियर के दौरान श्असहनीय नफरत और नकारात्मकताश का सामना करने का भी उल्लेख किया।विजय शंकर ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इसका मतलब है कि यह ऑलराउंडर अब आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। भारतीय क्रिकेट में दो दशकों से अधिक समय बिताने के बाद, उनका इरादा विदेशों में अवसर तलाशने का है। उन्होंने 22 मई, शुक्रवार को जारी एक विस्तृत बयान में इस फैसले की पुष्टि करते हुए बताया कि वे बेहतर अवसरों की तलाश में भारत से बाहर क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहते हैं।

गौरतलब है कि शंकर के संन्यास से आईपीएल के साथ उनका लंबा जुड़ाव समाप्त हो गया है, जहां उन्होंने 10 सीजन में चार अलग–अलग फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया। 78 आईपीएल मैचों में उन्होंने 1233 रन बनाए और नौ विकेट लिए। घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड शानदार रहा, जिसमें उन्होंने 77 प्रथम श्रेणी मैचों में 4253 रन बनाए और 43 विकेट लिए। तमिलनाडु के इस क्रिकेटर ने श्वेत गेंद क्रिकेट में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने 12 वनडे और 9 टी20 मैच खेले हैं। राष्ट्रीय टीम के लिए उनका आखिरी मैच जून 2019 में था।शंकर ने अपने बयान में कहा कि क्रिकेट मेरी जिंदगी है। मैंने 10 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था और 25 साल बाद, मैं हर स्तर पर और उच्चतम स्तर तक खेलने के लिए आभारी और ध् ान्य महसूस करता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे सबसे गौरवपूर्ण और खुशी के पलों में से एक रहेगा। मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया है ताकि मैं नए अवसरों की तलाश कर सकूं और और क्रिकेट खेल सकूं। मुझे वह करने देने के लिए ध ान्यवाद कहना काफी नहीं होगा जो मुझे पसंद है। मैं आपका हमेशा आभारी रहूंगा।शंकर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के कई अहम पलों को याद किया, जिनमें भारत की जर्सी में किए गए यादगार प्रदर्शन भी शामिल हैं, जो उनके आखिरी मैच के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों में बसे रहे।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर लगी आग! 10 दिनों में तीसरी बार बढ़े दाम,

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शनिवार को एक बार फिर वृद्धि की गयी। पेट्रोल की कीमत 87 पैसे लीटर जबकि डीजल के दाम 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाये गये हैं। पिछले10 दिनों से भी कम समय में यह तीसरा मौका है जब ईंधन के दाम बढ़ाये गये हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे भारी उतार–चढ़ाव का असर अब भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार (23 मई 2026) को एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। इस ताजा संशोधन के बाद पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम में 91 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। पिछले10 दिनों से भी कम समय में यह तीसरा मौका है जब ईंधन के दाम बढ़ाये गये हैं। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे बढ़कर 98.64 रुपये से 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है।वहीं डीजल की कीमत 91 पैसे बढ़कर 91. 58 रुपये से बढ़कर 92.49 रुपये हो गई है। पेट्रोल, डीजल के दाम में 15 मई के बाद से यह तीसरी बढ़ोतरी है। सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ी ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे–धीरे उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है। पंद्रह मई को कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई थी। उसके बाद 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दाम 90 पैसे लीटर बढ़ाये गये थे। कुल मिलाकर, ईंधन की कीमतों में लगभग 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है।यह ताजा बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब मध्य पूर्व में चल रहे तनाव और अमेरिका–ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर बनी हुई हैं। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड वायदा 104 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चढ़ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा था। हालांकि दोनों बेंचमार्क साप्ताहिक नुकसान की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन कीमतों में लगातार भारी उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है, क्योंकि निवेशक बदलते भू–राजनीतिक घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

राम चरण की पेड्डी में धमाकेदार डांस से रंग जमाएंगी श्रुति हासन, गाने का प्रोमो जारी

सुपरस्टार राम चरण अपनी आगामी फिल्म पेड्डी को लेकर खूब चर्चा बटोर रहे हैं। जब से निर्माताओं ने ट्रेलर जारी किया है, तब से फैंस ही नहीं बल्कि सितारे भी फिल्म की रिलीज के लिए बेसब्र हैं। अब यह उत्साह और बढ़ जाएगा क्योंकि फिल्म में शामिल आइटम नंबर का प्रोमो वीडियो जारी किया गया है। गाने का नाम हेलअल्लालो है, जिसमें राम के श्रुति हासन को जबरदस्त डांस करते हुए देखा जा सकता है।

हेलअल्लालो गाने में राम और श्रुति के अलावा, जाह्नवी कपूर भी अपने डांस का तड़का लगाती दिखती हैं जो फिल्म की मुख्य अभिनेत्री हैं। गाने को संगीत एआर रहमान ने दिया है और इसे टी–सीरीज के यूट्यूब चौनल पर अपलोड किया गया है। हालांकि पूरे गाने का वीडियो 23 मई को आधिकारिक तौर पर रिलीज किया जाएगा। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित यह फिल्म 4 जून को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं के साथ रिलीज हो रही है.

इस फिल्म में राम केवल अभिनय नहीं कर रहे, बल्कि एक मजदूर वर्ग के आदमी के जीवन को पूरी तरह से जी रहे हैं।

पेड्डी में उनके लुक की बात करें तो उनके बिखरे बाल और मिट्टी से सना चेहरा साफ दिखाई देता है। यह फिल्म बड़े–बड़े पैन–इंडिया प्रोजेक्ट्स से अलग है, जो सिर्फ चमक–धमक दिखाने के बजाय जीवन के संघर्षों और स्थानीय संस्कृति की सच्ची कहानियों पर ध्यान देती है।

यह फिल्म राम की अभिनय क्षमता की गहराई को दर्शाती है और ग्रामीण जीवन के भावनात्मक पक्ष को उजागर करती है।

मां बहन का ट्रेलर जारीय अदाओं से नहीं, हत्या से धक-धक कराने आई माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म मां बहन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जैसी उम्मीद की जा रही थी, फिल्म अफरा–तफरी, अप्रत्याशित मोड़ और हास्य परिस्थितियों से भरपूर होने वाली है। निर्देशन की कमान सुरेश त्रिवेनी ने संभाली है, जो विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के निर्देशक रह चुके हैं। कहानी एक मां और उसकी 2 बेटियों के इर्द–गिर्द बुनी गई है, जिसमें तड़का लगाने का काम रवि किशन ने किया है।ट्रेलर की शुरुआत रेखा (माधुरी) से होती है, जो कॉलोनी की रानी है और उसकी एक झलक का मोहल्ला दीवाना है। उसकी बड़ी बेटी जया (तृप्ति) शादीशुदा है और छोटी बेटी सुषमा (धर्णा दुर्गा) रील्स की दीवानी है। तीनों की जिंदगी में तब भूचाल आता है, जब गुप्ता (रवि) की उनके घर पर हत्या हो जाती है। बस यहीं से कहानी में उठा–पटक शुरू हो जाती है। कुल मिलाकर ट्रेलर मजेदार है। फिल्म 4 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म को तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी शानदार फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर सुरेश त्रिवेणी ने डायरेक्ट किया है. जानकारी के मुताबिक, श्मां बहन्च एक ऐसी कहानी है, जिसमें एक मां और उसकी अलग रह रही बेटियां अचानक एक बड़े क्राइम में फंस जाती हैं. इसके बाद शुरू होता है झूठ, राज और अजीब घटनाओं का सिलसिला. नेटफिलक्स के ऑफिशियल अकाउंट पर फिल्म का टीजर रिलीज करते हुए लिखा है कि धक–धक हो रहा है? इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट 4 जून को बताया गया है.फिल्म में माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की जोड़ी पहली बार इतनी अलग शैली में दिखाई देगी. वहीं रवि किशन भी अपने दमदार अंदाज से कहानी में नया ड्रामा, कॉमेडी, थ्रिल और

ट्विस्ट लाने वाले हैं. इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं धारणा दुर्गा भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं. मेकर्स का दावा है कि फिल्म में फैमिली इमोशनल मोमेंट्स का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा. श्मां बहन्च को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा.

करुप्पु महज एक हफ्ते में वर्ल्डवाइड हुई 200 करोड़ के पार, बनी सूर्या के करियर की सबसे बड़ी फिल्म

आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म करुप्पु को सिनेमाघरों में दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, इस एक्शन–कॉमेडी फैंटेसी फिल्म ने धमाकेदार शुरुआत की थी और इसके बाद इसने वीकेंड पर बंपर कमाई की. और अब रिलीज के महज 7 दिन में ये फिल्म सूर्या के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई है. चलिए यहां करुप्पु का 7वें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जानते हैं.करुप्पु सूर्या के करियर के लिए एक संजीवनी साबित हुई है. एक्टर की पिछली कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी. ऐसे में अब करुप्पु ने एक्टर की अदद हिट की ख्वाहिश पूरी कर दी है. बता दं कि फिल्म मेकर्स ने अब ऑफिशियली अनाउंस किया है कि करुप्पु ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 207 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. इससे पहले, फिल्म ने रिलीज के सिर्फ तीन दिनों में 147 करोड़ रुपये कमाए थे, इस उपलब्धि के साथ, करुप्पु सूर्या के करियर की पहली फिल्म बन गई है जिसने एक हफ्ते के भीतर 200 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री की है.खबरों के अनुसार, यह फिल्म केरल में सूर्या की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. ट्रेड एनालिस्टों का मानना है कि स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ के चलते आने वाले दिनों में फिल्म का कलेक्शन और बढ़ सकता है. आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या ने लीड रोल प्ले किया है. उनके साथ इंद्रन्स, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा और सुप्रीत रेड्डी भी हैंय फिल्म में भरपूर एक्शन सीन, कोर्टरूम ड्रामा और इमोशनल पल हैं, जिनमें सूर्या को न्याय के लिए लड़ते हुए कोर्ट के अंदर और बाहर दोनों जगह दुश्मनों का सामना करते दिखाया गया है. फिल्म में तृषा कृष्णन ने प्रीति नाम की वकील और आरजे बालाजी ने बेबी कन्नन का किरदार निभाया है. फिल्म का म्यूजिक साई अभ्यंकर ने दिया है, सिनेमैटोग्राफी जी. के. विष्णु ने और एडीटिंग है य इसके बाद, सूर्या

आर. कलैवनन ने की है. करुप्पु की सफलता के बाद, सूर्या फिलहाल वाथी और लकी भास्कर फेम वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित विश्वनाथन एंड संस पर काम कर रहे हैं. ये फिल्म जुलाई में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद

ह्श्यम 3 का दुनियाभर में तांडव, धमाकेदार हुई शुरुआत, बनी वर्ल्डवाइड साल की 5वीं सबसे बड़ी मलयालम फिल्म

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल स्टारर फिल्म दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी. इसने 21 मई को मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दी . ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की तीसरी इंस्टॉलमेंट के तौर पर जबरदस्त प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म की धमाकेदार ओपनिंग हुई है. हालांकि इसके पहले दिन के कलेक्शन एल 2 एम्पुरान और श्यम 2 को पार नहीं कर सके, लेकिन इस थ्रिलर ने मोहनलाल की कई हालिया रिलीज फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है. चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने कितने करोड़ से शुरुआत की है? दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड मलयालम फिल्मों में से एक थी. अजय देवगन स्टारर इस फिल्म का हिंदी रीमेक 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगा. वहीं मोहनलाल की दृश्यम 3 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से मिला–जुला रिस्पॉन्स मिला है, मोहनलाल के फैंस ने जहां इस सस्पेंस फिल्म की सराहना की, तो वहीं अन्य ने स्टोरीलाइन और प्लॉट की आलोचना की.

इन सबके बीच फिल्म ने घरेलू बाजार में अच्छी ओपनिंग की है. ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक दृश्यम 3 ने भारत में अपने पहले दिन 5506 शो से 15.85 करोड़ की कमाई की है. इसमें से 13.70 करोड़ मलयालम से, 0.45 करोड़ तमिल से, 1.50 करोड़ तेलुगु से और 0.20 करोड़ कन्नड़ से आए हैं. फिल्म की पहले दिन की ऑक्यूपेंसी 51.3त्न रही है, दृश्यम 3 ने विदेशों में भी शानदार परफॉर्म किया है. सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने अपने पहले दिन ओवरसीज में 25 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसी के साथ, फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब 43.37 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.मोहनलाल की दृश्यम 3 रिलीज के पहले दिन ही वर्ल्डवाइड साल 2026 की 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है. इसने भरतनाट्यम 2 मोहिनी अट्टम के 40.63 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है और अब अथिराडी को टक्कर देने की तैयारी में है! पहले वीकेंड के अंत तक, यह थ्रिलर फिल्म 2026 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन जाएगी.दृश्यम 3 को जीतू जोसेफ ने लिखा और निर्देशित किया है, और आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले एंटनी पेरुम्बावूर ने इसका निर्माण किया है. इसमें मोहनलाल, मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, मुरली गोपी, सिद्दीकी और आशा सरथ अपनी पुरानी भूमिकाओं को दोहराते हुए नजर आ रहे हैं. यह फिल्म श्यम और दृश्यम 2 की कहानी को आगे बढ़ाती है.

मोहनलाल की ह्श्यम 3 के आते ही राजा शिवाजी को लगा तगड़ा झटका, तीसरे गुरुवार लाखों में सिमटी कमाई

राजा शिवाजीय ने सिनेमाघरों में तीन हफ्ते पूरे कर लिए हैं और ये फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है. रितेश देशमुख निर्देशित इस फिल्म ने खासतौर पर महाराष्ट्र में अच्छा परफॉर्म किया है. अब ये फिल्म भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा छूने के करीब पहुंच रही है. लेकिन तीसरे गुरुवार यानी 21वें दिन इसे मोहनलाल की श्यम 3 से टक्कर मिली है. चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे गुरुवार को कितना कलेक्शन किया है?श्राजा शिवाजीय 1 मई को सिनेमाघरों में मराठी और हिंदी भाषा में रिलीज हुई थी. रितेश देशमुख निर्देशित और स्टारर इस फिल्म को दर्शकों से रिलीज के पहले दिन से भरपूर प्यार मिल है. इसी के साथ इसने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों से ज्यादा शानदार परफार्म किया है. गौरतलब है कि इस फिल्म ने अपनी रिलीज के दो हफ्तें में जमकर कमाई की वहीं तीसरे हफ्ते में इसके कलेक्शन में गिरावट देखी गई लेकिन फिर भी इसने खूब नोट छापे. अच्छी बात ये है कि श्राजा शिवाजीय अपना 75 करोड़ का बजट तो दूसरे हफ्ते में ही वसूल चुकी थी वहीं अब तो ये मुनाफा कमाने में जुटी हुई है. हालांकि अब इस फिल्म को नई रिलीज श्यम 3 से मुकाबला करना पड़ रहा है. मोहनलाल की इस फिल्म के आने से राजा शिवाजी की कमाई को तीसरे गुरुवार को झटका लगा है और इसने पहली बार लाखों में कमाई की है. इसी के साथ फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो श्राजा शिवाजी के पहले वीक की कमाई 52.65 करोड़ रुपये रही थी. इसके बाद दूसरे हफ्ते में इसने 24.30 करोड़ जोड़े. फिर तीसरे हफ्ते के 15वें दिन इसने 1.45 करोड़, 16वें दिन 2.70 करोड़, 17वें दिन 3. 45 करोड़, 18वें दिन 1.15 करोड़, 19वें दिन 1.30 करोड़ और 20वें दिन 1.10 करोड़ का कलेक्शन किया.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे गुरुवार को राजा शिवाजी ने 1 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ राजा शिवाजी ने तीसरे हफ्ते में 11.77 करोड़ बटोरे. अब फिल्म की 21 दिनों की भारत में कुल नेट

कमाई अब 89 करोड़ रुपये हो गई है. श्राजा शिवाजीय को 75 करोड़ की लागत में बनाया गया है वही रिलीज के 21 दिनों में सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने 88.95 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. इसी के साथ इसका 14 करोड का रेट ऑफ इटरेंस्ट कमा लिया है. वहीं प्रतिशत में इसने 18.6 फीसदी मुनाफा कमा लिया है. बता दें कि श्राजा शिवाजीयमें रितेश देशमुख के कलाकार कई बॉलीवुड कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. इनमें अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, विद्या बालन, जेनेलिया डिसूजा, बोमन ईरानी से लेकर फरदीन खान तक कई कलाकार शामिल हैं.

अंतरात्मा की आवाज पर चुना लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाला किरदार - सान्विका

वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?

इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा–सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं लुटेरी दुल्हन थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द–गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की–फुल्की और मनोरंजक है। अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है। आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर धमाल मचाएंगे राजकुमार हिरानी, सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो की रिलीज डेट से उठा पर्दा

दिग्गज फिल्म निर्देशक राजकुमार हिरानी अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो का एलान कर दिया गया है। जो इस तारीख को ओटीटी पर स्ट्रीम होगी।राजकुमार हिरानी की पहली वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो का एक खास पोस्टर जारी किया गया है। इस पोस्टर में दो लड़के पीठ दिखाकर खड़े हैं। यही वजह है कि फिल्म की स्टार कास्ट से पर्दा अभी तक नहीं उठ सका है। यह सीराज हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।प्रीतम एंड पेड्रो एक साइबर–क्राइम थ्रिलर सीरीज है, जो 3 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। राजकुमार हिरानी श्प्रीतम एंड पेड्रोय नाम की वेब सीरीज के जरिए ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। इस सीरीज में कथित तौर पर अरशद वारसी और विक्रांत मैसी मुख्य (साइबर पुलिस) भूमिका में नजर आ सकते हैं। इस प्रोजेक्ट में राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी भी अपना एक्टिंग डेब्यू कर सकते हैं।राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित आखिरी फिल्म का नाम डंकी है।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति, बोलीं- वहां के लोग बेहतरीन

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए। उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे–फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे। शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है। अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।